

श्वेता विजन

“नजरिया साफ, खघ्वरें निष्पक्ष”

हिंदी दैनिक समाचार पत्र

**मिर्जापुर और
औरैया में
भीषण सड़क
हादसे,
महिला समेत
दो लोगों की
मौत** **2**

मंगलवार 06 अक्टूबर 2026

हैदराबाद से प्रकाशित

WEB SITE : Shwetha.co.in

संपादक : रघुराम राजू कालीदिंडी

पृष्ठ - 1

अंक - 21

वर्ष - 8

मूल्य - 3रु

SIR विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा— न्यूज रिपोर्ट के आधार पर नहीं दिया जाएगा आद. 'श, चुनाव आयोग को भी नोटिस जारी किया

नई दिल्ली: दोनो चुनाव आयोगों को नजरअदाज कर 'द' पर फैसले लेने के खिलाफ दायर याचिकाओं पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। भारत निर्वाचन आयोग (म्ह), मुख्य निर्वाचन आयुक्त (म्ह) ज्ञानेश कुमार और निर्वाचन आयुक्त (म्ह) सुप्रीम कोर्ट को जवाब देंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने केंद्र सरकार को भी नोटिस भेजा है। न्यूज रिपोर्ट के आधार पर नहीं दे सकते आदेश सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि 10 दिन में कुछ ऐसा नहीं हो जाएगा। अगर कुछ गलत हुआ है, तो हम हमेशा उसे रद्द कर सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस याचिका का आधार जो न्यूज रिपोर्ट है, वह 100% सही, आंशिक रूप से सही या गलत हो सकती है। हम उसके आधार पर कोई आदेश नहीं दे सकते हैं। अब इस मामले की अगले हफ्ते होगी सुनवाई वकील सिंह ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि रिकॉर्ड सुरक्षित रखने को कहा जाए। कोर्ट ने इस पर कुछ नहीं कहा। इस मामले पर अब अगले हफ्ते सुनवाई होगी। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को निर्बंधित करने की मांग वाली याचिका पर अंतरिम आदेश पारित करने से इनकार कर दिया है। ज्ञानेश कुमार समेत दोनो अन्य



चुनाव आयोगों को नोटिस अल्पसूर्यकाल की अयक्षा वाली पीठ ने याचिका पर चुनाव आयोग (म्ह), मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनो अन्य चुनाव आयुक्तों को नोटिस जारी किया है। याचिका में चुनाव आयोग के उन फैसलों को चुनौती दी गई है, जिन्हें याचिकाकर्ता ने एकतरफा तरीके से लिए गए फैसले बताया है। तीन सदस्यीय बेंच ने तीन याचिकाओं पर की सुनवाई इस पूरे मामले की सुनवाई सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जयपाला बागची और जस्टिस वी मोहना की बेंच ने

की। तीन सदस्यीय बेंच ने तीन याचिकाओं पर सुनवाई की। शैलेंद्र मणि त्रिपाठी, राकेश कुमार सिंह और सुधाकर सिंह की याचिका पर सुनवाई हुई। अकेले कोई भी निर्णय नहीं ले सकता— वकील सिंह कोर्ट की सुनवाई के दौरान वकील विकास सिंह ने दलील देना शुरू किया था। उन्होंने बोला कि वास्तविक एक्ट में कहा गया है कि चुनाव आयोग बहुमत से फैसले लेगा, या फिर सर्वसम्मति से फैसला लेगा। अकेले कोई भी निर्णय नहीं लिया जा सकता है।

**खरगे के 'अवैध' वाले बयान पर
उश्रच का पलटवार, पूछा— 'क्या
आप भी अवैध सांसद हैं?'**



सुधांशु त्रिवेदी ने भी खरगे के बयान पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष की टिप्पणी देश के मतदाताओं के जनादेश का अपमान है। उश्रच ने इसी आधार पर कांग्रेस से माफी मांगने की मांग की है। त्रिवेदी ने कहा कि चुनाव में जनता के फैसले को इस तरह खारिज करना लोकतांत्रिक जनादेश पर सवाल खड़ा करता है। त्रिवेदी ने खरगे के चुनाव पर ही सवाल उठाया। सुधांशु त्रिवेदी ने खरगे के कांग्रेस अध्यक्ष चुने जाने की प्रक्रिया को लेकर भी सवाल उठाया। उन्होंने दावा किया कि

नई दिल्ली: भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के उस बयान पर निशाना साधा है, जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को 'अवैध' बताया था। उश्रच ने खरगे से 'जनादेश का अपमान करने के लिए माफी मांगने' को कहा है। खरगे ने शनिवार को कर्नाटक के कलबुर्गी में पत्रकारों से बात करते हुए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं को भंग करने की मांग की थी। खरगे ने क्या कहा था? खरगे ने कहा था कि देश में हुए सभी चुनाव अवैध थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह और सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों को भी 'अवैध' बताया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने नए सिरे से चुनाव कराने की मांग की और कहा कि ये चुनाव बैलेट पेपर के

जरिए होने चाहिए। उनका कहना था कि मौजूदा चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठ रहे हैं और इसे लेकर नए सिरे से चुनाव कराया जाना चाहिए। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से खरगे मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर हमलावर हैं और उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं। किरन रीजीजू का खरगे से सीधा सवालकेंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरन रीजीजू ने खरगे के बयान पर पलटवार किया। उन्होंने सवाल किया, 'क्या आप अवैध सांसद हैं, खरगे जी? क्या राहुल गांधी जी अवैध सांसद हैं? क्या तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और झारखंड के मुख्यमंत्री अवैध हैं? भारत के संविधान का अपमान करना बंद करें।' उश्रच बोली, 'जनादेश का अपमान किया' उश्रच प्रवक्ता और राज्यसभा सदस्य

खरगे के कांग्रेस अध्यक्ष बनने के बाद पार्टी के कई नेताओं ने निर्वाचक मंडल की सूची मांगी थी, लेकिन कांग्रेस ने वह सूची किसी को उपलब्ध नहीं कराई। त्रिवेदी ने इसी को आधार बनाकर खरगे से सवाल किया, तो, पहला सवाल यह उठता है कि क्या अध्यक्ष पद के लिए आपका चुनाव अवैध था? 2014 के चुनाव का भी किया जिक्रसुधांशु त्रिवेदी ने 2014 के लोकसभा चुनाव का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उश्रच ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया था और देश में पहली गैर-कांग्रेसी सरकार बनाई थी, जिसे स्पष्ट बहुमत मिला। उश्रच ने खरगे की मौजूदा टिप्पणी को इसी चुनावी जनादेश के संदर्भ में जनता के फैसले का अपमान बताया।

**अमेरिका के अकेले पड़ने से चीन की
बढ़ती ताकत तक, जयशंकर ने खोल
दिए पूरी दुनिया के धागे**

नई दिल्ली: विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बदलती वैश्विक राजनीति की तस्वीर सामने रखते हुए कहा है कि दुनिया अब तेजी से ऐसे दौर में पहुंच रही है, जहां अमेरिका की भूमिका बदल रही है और चीन लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने अपनी पसंद से खुद को कुछ हद तक 'अकेली ताकत' बना लिया है, जबकि चीन का उभार वैश्विक समीकरणों को तेजी से बदल रहा है। जयशंकर ने कहा कि अमेरिका-चीन की होड़ अब सिर्फ इन दो देशों तक सीमित नहीं है। इस प्रतिस्पर्धा ने दुनिया के अलग-अलग देशों के पास मौजूद ताकत और साधनों को भी 'हथियार' बना दिया है। जयशंकर ने नई दिल्ली में आयोजित म्यूनिख लीडर्स मीटिंग 2026 के उद्घाटन सत्र में कहा कि आज की दुनिया की सबसे बड़ी विशेषता अमेरिका का रैडिकल रीपो. जिशनिंग' यानी अपनी वैश्विक भूमिका में बड़ा बदलाव है। उन्होंने कहा कि यह बदलाव अमेरिका की

**जयशंकर ने बताया दुनिया
में क्या-क्या बदल रहा है!**



अपनी पसंद है और इसी वजह से वह एक तरह से जानबूझकर 'अकेली ताकत' बन गया है। दूसरी बड़ी बात चीन का उभार है। चीन खुद को एक खास और विशिष्ट देश मानता है और कई मायनों में उसकी स्थिति भी ऐसी है। जयशंकर ने कहा कि इन दोनों के बीच तेज प्रतिस्पर्धा है, जो पूरी दुनिया के रिश्तों और फैसलों को प्रभावित कर रही है। जयशंकर ने कहा कि मौजूदा प्रतिस्पर्धा सिर्फ अमेरिका

और चीन के बीच नहीं है। इसका असर दुनिया के बाकी देशों पर भी पड़ रहा है। उनके मुताबिक, आज जिस देश के पास जो भी मजबूत साधन या फायदा है, वह उसे अपने हित में इस्तेमाल कर रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि किसी लेन-देन में सप्लायर के पास ज्यादा ताकत है या खरीदार के पास? उत्पादन पर नियंत्रण ज्यादा महत्वपूर्ण है या किसी बड़े बाजार में हिस्सेदारी? खरीदने की

**लखनऊ के फैजुल्लागंज में बाढ़ का जायजा लेने पहुंचे सीएम
योगी, गोमती नदी पर तटबंध बनाने का दिया निर्देश**

लखनऊ: लखनऊ के फैजुल्लागंज में कई दिनों से बाढ़ का पानी भरा हुआ था। लोगों की परेशानियों को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को खुद मौके पर पहुंचे, मुख्यमंत्री ने बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों का जमीनी और हवाई दोनों तरह से जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत की और उनको राहत सामग्री भी बांटी। नेपाल और पड़ोसी जिलों की बारिश का असर: मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले 10 दिनों में प्रदेश के 50 से ज्यादा जिलों में तेज बारिश हुई है।



इसी वजह से राज्य की तमाम नदियों का पानी लगातार ऊपर चढ़ रहा है। लखनऊ में भले ही इतनी भारी बारिश न हुई हो, लेकिन ऊपरी इलाकों का पानी यहां पहुंच गया है। पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, सीतापुर और नेपाल में हुई बारिश का पानी नीचे आने से

गोमती उफान पर है। गोमती के उफान से कई इलाकों के लोग बेहाल: गोमती का जलस्तर अचानक बढ़ने से राजधानी के कई मोहल्लों में पानी भर गया। बस्ती का तालाब, लखनऊ उत्तर और खास तौर पर फैजुल्लागंज के बड़े हिस्से जलमग्न हैं। मुख्यमंत्री ने खुद इलाकों में घूमकर और हेलिकॉप्टर से पूरी स्थिति को देखा। उन्होंने कहा कि अगर गोमती नदी पर पक्का तटबंध बन जाए तो इस मुसीबत से हमेशा के लिए निजात मिल सकती है। फैजुल्लागंज से नैमिष तक बनेगा

**दिल्ली-यूपी तक फैला हेरोइन नेटवर्क
ध्वस्त, 50 करोड़ की ड्रग्स बरामद
लखनऊ में चल रही थी फैक्ट्री**

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस ने एक अंतरराज्यीय हेरोइन सप्लाई नेटवर्क व उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में चल रही अवैध मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 7, 076 किलोग्राम हेरोइन, करीब 3.3 किलोग्राम कच्चा माल, 3 लाख रुपये नकद व तस्करी में इस्तेमाल दो लखनऊ गाड़ियां जब्त कीं। बरामद हेरोइन की अंतरराज्यीय बाजार में कीमत लगभग 80 करोड़ रुपये आंकी गई है। दिल्ली पुलिस के नॉर्दन रेंज के जॉइंट सीपी विजय सिंह ने सोमवार को के बताया कि रोहिणी जिले की स्पेशल स्टाफ टीम ने इन्स्पेक्टर तंवीप गोदारा के नेतृत्व व एसीपी अजमेर सिंह की देखरेख में नशा मुक्त भारत अभियान के तहत इस बड़े सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। मामले में मुख्य सरगना व फैक्ट्री मालिक समेत कुल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। बेगमपुर से मिली पहली सफलता जॉइंट सीपी विजय सिंह ने बताया कि रोहिणी जिले में ड्रग्स की अवैध बिक्री व तस्करी को जड़ से खत्म करने के लिए स्पेशल स्टाफ की कई टीमों (एसआई राजकुमार, एसएसआई हरजीत, हेड कांस्टेबल विनोद, विकास, मनदीप, राजीव, विशाल और कांस्टेबल कुलदीप व अजय) को तैनात किया गया था, 16 सितंबर को टीम को बेगमपुर इलाके में नशीले पदार्थों की जापूर्ति की गुप्त सूचना मिली। पुलिस टीम ने सेंक्टर-32, बेगमपुर में जाल बिछाकर कार से आए लक्ष्मण हुड्डा (58) निवासी रोहतक, हरियाणा को गिरफ्तार किया। उसकी कार से 300 ग्राम हेरोइन और 3



लाख रुपये नकद बरामद हुए। इस संबंध में बेगमपुर थाने में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई गई। मामले की जांच के दौरान बीते 17 सितंबर को पुलिस ने लक्ष्मण हुड्डा के मुख्य सप्लायर अनिल उर्फ मोला (61) निवासी रघुवीर नगर, दिल्ली को सोनीपत (हरियाणा) से दबोच लिया। उसकी कार से 501 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। डीसीपी द्वाराका शशांक जायसवाल ने जानकारी दी कि अनिल एक शांतिर व आपराधिक गुंथभूमि का व्यक्ति है, जिस पर पहले से 12 आपराधिक मामले दर्ज हैं। वह भलखा डेयरी थाने के एक एनडीपीएस मामले में गिरफ्तार हुआ था, लेकिन वर्ष 2025 में अंतरिम जमानत मिलने के बाद फरार हो गया। लखनऊ में फैक्ट्री पर छापाआरोपी अनिल से पूछताछ तकनीकी सर्विलांस व ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर स्पेशल स्टाफ की टीम ने उत्तर प्रदेश में

पुलिस ने सीता कॉलोनी, जानकीपुरम, लखनऊ स्थित एक परिसर में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान मौके से बबलू (36) को गिरफ्तार किया। वहां चल रही हेरोइन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट का खुलासा हुआ। मौके से 6, 275 किलोग्राम तैयार की गई हेरोइन के अलावा हेरोइन बनाने में प्रयुक्त केमिकल्स व उपकरण जप्त किए गए। केमिकल्स के साथ गैस सिलेंडर, मिक्सर ग्राइंडर, बर्तन, इलेक्ट्रॉनिक तराजू, पॉलीथीन आदि बरामद की गई। पहले से तीन मामले दर्जगिरफ्तार बबलू की निशानदेही पर पुलिस टीम ने इस मैन्युफैक्चरिंग यूनिट के मालिक व मुख्य सप्लायर रुखसार अली उर्फ राजू का पीछा किया। करीब 120 किलोमीटर तक सघन पीछा करने के बाद रुखसार अली को बरेली (उत्तर प्रदेश) से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी रुखसार अली पर पहले से एनडीपीएस कानून के तहत 3 मामले दर्ज हैं। डीसीपी शशांक जायसवाल ने बताया कि इस नेटवर्क

गैर-इरादतन हत्या (जो हत्या की श्रेणी में नहीं आती) के मामले में आरोपी गिरफ्तारय पहले फरार चल रहे आरोपी को अब मुशीराबाद पुलिस ने हिरासत में ले लिया है।

अमीर हुसैन, क्राइम ब्यूरो चीफ
केस रजिस्ट्रेशन की जानकारी: क्राइम नंबर 3452028य ठाँ की धारा 105 और 3(6)य मुशीराबाद पुलिस स्टेशन।

आरोपी की जानकारी:

1- मोहम्मद महर सिद्दीक अहमम (उर्फ सिद्दीक)य उम्र: 34 सालय पता: 1-9-6641, सौम्या हॉस्पिटल के पास, रामनगर, हैदराबादय पेशा: बेरोजगार।

केस की पुष्टभूमिधटना की जानकारी:

05.09.2026 को रात लगभग 11:00 बजे पुलिस में दर्ज कराई गई शिकायत में, शिकायतकर्ता ने बताया कि उनका 19 साल का बेटा, एस... बताया गया कि बंदीनाथ अपने एक दोस्त के साथ रंगानगर में आयोजित 'गणेश आगमन' कार्यक्रम में गया था। जब रात करीब 9:00 बजे बंदीनाथ को फोन किया गया, तो उसने कोई जवाब नहीं दिया। बाद में, शिकायतकर्ता को सूचना मिली कि उनके बेटे को गांधी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जांच करने पर ड्यूटी डॉक्टर ने पुष्टि की कि उसकी मौत हो चुकी थी। यह निष्कर्ष निकाला गया कि उनके बेटे की मौत गणेश आगमन समारोह के दौरान हुई। यह आरोप लगाते हुए, शिकायतकर्ता ने आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का अनुरोध किया।

जांच से मिली जानकारी:

कार्यक्रम आयोजित करने वाले आरोपी सिद्दीक ने बहुत बड़े पैमाने पर इलाजाम किए थे। उसने स्टेज, ट्रस, शानदार लाइटिंग, कई बैंड, वक्त्रघसाउंड सिस्टम और माइक्रोफोन लगाए थे। इन ट्रस का इस्तेमाल भारी वक्त्र साउंड सिस्टम लगाने और आतिशबाजी करने के लिए किया गया था। जांच में पता चला कि आरोपी ने संबंधित अधिकारियों से जरूरी इजाजत नहीं ली थी। पुलिसकर्मियों की बार-बार चेतावनी के बावजूद, आयोजकों ने तय सीमा से ज्यादा काम किया। साउंड सिस्टम तेज आवाज में बजते रहे। कार्यक्रम के हिस्से के तौर पर, लोगों से भरी जगहों पर तोफखोरदार धमाका करने वाले उपकरण चलाए गए। इससे अचानक सदमा लगा, बहुत ज्यादा डर फैल गया और



अफरा-तफरी मच गई। इसी हंगामे के बीच... पास

ही बंदीनाथ बेहोश हो गए। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। सिद्दीक ने इसानी जान को होने वाले खतरे को समझते हुए भी अपने साथियों के साथ घोर लाप. रवाही बरती। जांच में यह बात सामने आई कि यह लापरवाही भरा व्यवहार ठाँ की धारा 105 और 3(6) के तहत दंडनीय अपराध है।

गिरफ्तारी की जानकारी:

थिक्कडपल्ली डिबीजन के असिस्टेंट कमिश्नर ऑफ पुलिस (1व्व) श्री जी. रणवीर रेड्डी ने आरोपी सिद्दीक को गिरफ्तार किया। कुज्जे फरार चल रहा था। और उसे हैदराबाद के नामपल्ली स्थित माननीय ग्टप (ब्रड कोर्ट में पेश किया।

यह मामला मुख्य आरोपी को पकड़ने के लिए मुशीराबाद पुलिस की लगातार फौशिशों के बाद दर्ज किया गया था। यह ऑपरेशन श्रीमती रश्मिता जामरगुर (वक्त्र, हैदराबाद जौन), श्री जे. नरस... (अतिरिक्त वक्त्र, हैदराबाद जौन), श्री जी. रणवीर रेड्डी (1व्व, थिक्कडपल्ली डिबीजन), श्री जी. राजगोपाल रेड्डी (इस्पेक्टर ऑफ पुलिस, मुशीराबाद) और सिकंदराबाद जौन टास्क फोर्स टीम की देखरेख में चलाया गया। जारिकर्ता दू अतिरिक्त डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस, सिकंदराबाद जौन, हैदराबाद शहर।

मिर्जापुर और औरैया में भीषण सड़क हादसे, महिला समेत दो लोगों की मौत



मिर्जापुरऔरैया: मिर्जापुर जिले के डमंडगंज थाना क्षेत्र में सोमवार को एक बेहद दर्दनाक हादसा सामने आया। प्रयागराज के मेजा निवासी चंद्रमा प्रसाद मिश्र अपनी पत्नी उषा देवी और बेटों के साथ कार से लौट रहे थे। वे सभी मध्य प्रदेश के मरुगंज जिले में अपने रिश्तेदार के यहां श्राद्ध कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। जैसे ही उनकी कार मिर्जापुर-रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग पर डमंडगंज घाटी के बड़का मोड़ घुमान के पास पहुंची, पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। ब्रेक फेल होने से खाई में गिरा अनियंत्रित ट्रक। कपड़ा लादकर आ रहे ट्रक का अचानक ब्रेक फेल हो गया था, जिससे चालक गाड़ी पर से नियंत्रण खो बैठा। अनियंत्रित ट्रक कार को पीछे से जोरदार टक्कर मारते हुए सड़क किनारे गहरी खाई में जाकर रुक गया। घटना के तुरंत बाद चालक जर के मारे मौके से फरार हो गया। चीख-पुकार सुनकर पहुंचे राहगीरों ने तुरंत पुलिस को खबर दी, जिसके बाद डमंडगंज थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार मौके पर पहुंचे। डॉक्टरों ने महिला को किया मृत घोषित। पुलिस ने सभी घायलों को एंबुलेंस से तुरंत प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र इलिया पहुंचाया। वहां जांच के बाद डॉक्टरों ने 50 वर्षीय उषा देवी को मृत घोषित कर दिया। वहीं हादसे में गंभीर रूप से घायल कार सवार अन्य लोगों को जिला मंडलीय अस्पताल रेफर कर दिया गया। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। औरैया में ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आया युवक: दूसरी तरफ औरैया के अजीतमल कोतवाली क्षेत्र में भी एक दर्दनाक हादसे ने परिवार की खुशियां छीन लीं। डेरा बंजारन गांव निवासी 35 वर्षीय महाराज सिंह ऑटो में बैठकर अयाना की तरफ जा रहे थे। वे ऑटो के किनारे वाली सीट पर बैठे हुए थे। मुरादगंज-अयाना मार्ग पर पीछे से आ रही तेज रफ्तार ट्रैक्टर-ट्रॉली ने ऑटो में साइड मार दी, जिससे महाराज सिंह सड़क पर गिर पड़े। परिजनों में मचा कोहराम, दो वाहन जब्त: सड़क पर गिरते ही ट्रॉली का पहिया उनके ऊपर से निकल गया और वे बुरी तरह जख्मी हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें तुरंत अजीतमल अस्पताल ले जाया गया। लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। हादसे की खबर मिलते ही पत्नी मिथलेश और बच्चे शव से लिपटकर बिलख पड़े। अजीतमल कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार ने बताया कि दोनों वाहनों को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कुमारी सैलजा के बाद केसी वेणुगोपाल की हरीश रावत को हिदायत! जानिए क्या कहा?



देहचदून उत्तराखंड में इन दिनों कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम हरीश रावत की धन्यवाद यात्रा सुर्खियों में है। एक तरफ जहां हरीश रावत गढ़वाल से लेकर कुमाऊं तक धन्यवाद यात्रा निकाल कर जनता का आशीर्वाद ले रहे हैं, तो वहीं दूसरी ओर उत्तराखंड कांग्रेस की प्रदेश प्रभारी कुमारी सैलजा ने हरीश रावत की इस यात्रा पर नाराजगी जताई है। इसी बीच कांग्रेस के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल का भी हरीश रावत को लेकर बयान आया है। केसी वेणुगोपाल ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट पर पोस्ट किया है, जिसमें उन्होंने लिखा है कि, 'मैंने चुनाव वाले राज्य में चल रहे कैंपेन पर हरीश रावत से बात की है।' साथ ही केसी वेणुगोपाल ने यह साफ किया है कि 'उत्तराखंड में सभी नेताओं के साथ मिलकर कैंपेन किया जाए, वो भी कांग्रेस के बैनर तले। इस कैंपेन का एकमात्र मकसद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड्गे और लोकसभा में नेता प्रतिष्ठा राहुल गांधी के नेतृत्व में पार्टी की जीत पक्की करना होना चाहिए। इसके अलावा केसी वेणुगोपाल ने अपनी पोस्ट में साफ किया है कि, 'पार्टी अकेले कैंपेन बर्दाश्त नहीं करेगी, पार्टी संगठन के प्लान के मुताबिक ही मिलकर प्रोग्राम होने चाहिए। पार्टी को भरोसा है कि पूरी स्टेट यूनिट की एनर्जी और कड़ी मेहनत से कांग्रेस उत्तराखंड में जीत हासिल करेगी।' कुमारी सैलजा ने हरीश रावत को लिखा था पत्र: हरीश रावत की धन्यवाद यात्रा पर कुमारी सैलजा ने उन्हें पत्र लिखा है। पत्र में कुमारी सैलजा ने अपनी नाराजगी जताते हुए हरीश रावत से कहा था कि आप जो यात्रा निकाल रहे हैं, उसको लेकर पीसीसी से कोई बात नहीं की गई है, उत्तराखंड में अगर कुछ नहीं होने में चुनाव होने है। ऐसे में पार्टी की एकजुटता बहुत जरूरी है। चुनाव से पहले उत्तराखंड कांग्रेस के समानांतर कोई यात्रा निक. जलना पार्टी के लिए सही नहीं होगा, वहीं, कुमारी सैलजा के पत्र पर जब हरीश रावत से सवाल किया गया, उनका कहना था कि परिवार में सभी तरह की बातें होती हैं, वो सिर्फ कांग्रेस के सिपाही हैं, सभी राहुल गांधी के आदेश पर काम करते हैं, सभी कांग्रेस को मजबूत करने के लिए अपने-अपने हिसाब के लगे हुए हैं। साथ ही उन्होंने अपनी इस यात्रा को

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ 20 साल पुराने मामले में विजिलेंस जांच के आदेश दिए गए, जानें क्या है पूरा मामला

तिरुवनंतपुरम: केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्नियल ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। खबर के मुताबिक यह विजिलेंस जांच राज्य के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के सचिव के तौर पर ज्ञानेश कुमार के कार्यकाल के दौरान लगे आरोपों से जुड़ी है। यह मामला मलेशिया के एक प्रोजेक्ट मैनेजर के दो दशक पुराने सुसाइड केस से जुड़ी है। यह आद. श ऐसे समय में आया है जब देश की विपक्षी पार्टियां मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ देश भर में विरोध प्रदर्शन तेज कर रही हैं। गृह मंत्री रमेश चेन्नियल ने केरल स्टेट ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट (जेजे) से जुड़े आरोपों के आधार पर जांच की घोषणा की। केएसटी अवसंरचना पहल की शुरुआत 2002 में एके एंटनी की सरकार में हुई थी, जो उस समय के पीडब्ल्यूडी मंत्री डॉ. एम. के. मुनीर के विज्ज से प्रेरित थी। बर्लंड बैंक की फंडिंग से समर्थित इस परियोजना का मकसद केरल के स्टेट रोड नेटवर्क को अंतरराष्ट्रीय मानक के हिसाब से अपग्रेड करना, पीडब्ल्यूडी को मजबूत करना और विभाग के लोगों को आधुनिक ट्रेनिंग देना था।

मौजूदा विवाद की जड़ 2006 में ली सी बीन की आत्महत्या से है, जो एक मलेशियाई नागरिक थे। वह पाटी-बेल (टाज-उम्मे) के प्रोजेक्ट मैनेजर थे। पाटी-बेल मलेशियाई कंसॉल्टिंग को तिरुवनंतपुरम से अंगमाली तक मेन सेंट्रल रोड को फिर से बनाने का कॉन्ट्रैक्ट दिया गया था। कथित सुसाइड नोट में, पीडब्ल्यूडी अधिकारियों पर परेशान करने, रिश्वत मांगने और सरकारी देशी के आरोप लगाए गए थे, जिसमें उस समय पीडब्ल्यूडी सेक्रेटरी के तौर पर काम कर रहे ज्ञानेश कुमार का नाम भी लिया गया था। केएसटीपी परियोजना के लिए कुल खर्च 336 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 1,612 करोड़ रुपये) था, जिसमें वर्लंड बैंक का 1,224 करोड़ रुपये का लोन और राज्य सरकार का 388 करोड़ रुपये का अलॉटमेंट शामिल था। इस पहल का मकसद उच्च गुणवत्ता वाले, सुरक्षित राज्य राजमार्ग और प्राइमरी सड़कें बनाना था, साथ ही समय-समय पर रखरखाव मॉडल बनाना था।

फंज एक के तहत परियोजना में 255 किलोमीटर की खास क्षेत्रीय सड़कों को चौड़ा और अपग्रेड करने के साथ-साथ 100 किलोमीटर के इनलैंड वॉटरवे और फीडर कैनल बनाने का प्लान था। फंज दो में फूज में 324 किलोमीटर स्टेट हाईवे बनाने का टारगेट था, जिसे बाद में बढ़ाकर 367 किलोमीटर कर दिया गया।

फंज एक के तहत चुने गए खास हिस्सों में थायक्कड (वेंजरमूडू)दुकोट्टरकरा (46 किमी), कोट्टारकरादुवेंगन्नूर (44.4 किमी), थायक्कडदुक्कजडकोट्टम (12.6 किमी), अलपुझादुवेंगनासरेरी (24.14 किमी), मुत्तुपुझादुवेंगुपुझा (17.83 किमी),



मुत्तुपुझादुवेंगामाली (31.40 किमी), पलक्कडदुशोरानूर (45.30 किमी), और त्रिशूरदुकुट्टिपुरम (33.08 किमी) कोरिडोर शामिल थे।

इनकी कुल लंबाई 254.80 किलोमीटर थी, फंज 2 में कासरगोड-कन्हांगड (27.76 किमी), पिलाथारा-पथिनिसेरी (20.90 किमी), तलिपरम्बा-इरिडी (4.60 किमी), थालास्सेरी-वलदुपारा (132.22 किमी), वेंगन्नूर-एट्टमनूर (47.00 किमी), एट्टमनूर-मुक्कुपुझा (40.90 किमी), पुनालूर-पोकुल्लम-थोडुपुझा (132.22 किमी), और पेरुम्बिलावु-पट्टी-पेरिथलमन्ना (41.00 किमी) जैसे हिस्से शामिल थे। इनमें से ज्यादातर हिस्से पूरे हो गए, जिससे पूरे नेटवर्क में एक्सीडेंट रेट में 20 प्रतिशत की कमी और ट्रैवल टाइम में 20 प्रतिशत से ज्यादा की बचत हुई।

ज्ञानेश कुमार की जांच के प्रशासनिक फंसले पर जोर दिया जा रहा है, हालांकि उनके कार्यकाल को लेकर पुराने अधिकारियों की अलग-अलग राय है। ईटीवी भारत से बात करते हुए अर्बन प्लानिंग एक्सपर्ट और त्रिवेंद्रम रोड डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड (ज्क्ज्) के पूर्व प्रबंध निदेशक अनिल कुमार पंडाला ने कहा कि कुमार एक बेहतरीन पीडब्ल्यूडी सचिव थे, उन्होंने ईटीवी भारत को बताया कि तिरुवनंतपुरम में कैपिटल रोड डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को लागू करने के दौरान जमीन अधिग्रहण की मुश्किल रुकावटों को दूर करने में कुमार के सक्रिय हस्तक्षेप ने अहम भूमिका निभाई थी। इस बीच सतर्कता और भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो के अधिकारिक स्रोत और रिटायर्ड सीनियर सतर्कता अधिकारियों ने ईटीवी भारत को बताया कि औपचारिक कार्रवाई के लिए डायरेक्टर ऑफ विजिलेंस को केस रजिस्टर करने का निर्देश देने वाला एक साफ लिखा हुआ सरकारी आदेश चाहिए। रिटायर्ड सीनियर विजिलेंस अधिकारियों ने ईटीवी भारत को दिए बयान में बताया कि सिर्फ एक राजनीतिक बयान से आधिकारिक केस शुरू नहीं किया जा सकता, इसके अलावा क्योंकि यह मामला सुसाइड से हुई मौत के साथ-साथ विपक्षी गड़बड़ियों के आरोपों से जुड़ा है, इसलिए संगठित आपराधिक आरोप, जैसे कि उकसाना पर शासकीय राज्य आदेश में औपचारिक तौर पर साफ-साफ बताया जाना चाहिए।

यूपी में कांग्रेस ने किया फेरबदल, आराधना मिश्रा कांग्रेस की नई अध्यक्ष बनीं, इमरान मसूद बनाए गए कार्यकारी अध्यक्ष

लखनऊ : कांग्रेस ने यूपी में बड़ा बदलाव किया है। प्रतापगढ़ की रामपुर खास सीट से पार्टी की विधायक आराधना मिश्रा "मोना" को यूपी का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस पद से अजय राय की छुट्टी हो गई है। शुक्रवार को कांग्रेस अध्यक्ष ने तत्काल प्रभाव से उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नए पदाधिकारियों की नियुक्ति की। इमरान मसूद को कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं देविंदर निषाद और आलोक प्रसाद को वरिष्ठ उपाध्यक्ष की जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी ने अजय राय के योगदान की सराहना की। इसके अलावा कांग्रेस अध्यक्ष ने चौधरी वीरेंद्र सिंह को तत्काल प्रभाव से उत्तर प्रदेश में कांग्रेस विधायक दल का नेता नियुक्त करने के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी।

अजय राय का पोस्ट-लड्डे, जीतेंगे! हर-हर महादेव! : वहीं अजय राय ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, मुझ जैसे एक सामान्य कार्यकर्ता को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी देने के लिए मैं राहुल गांधी एवं कांग्रेस शीर्ष नेतृत्व का जीवनमर आभारी रहूंगा। लड़ाई अभी भी जारी है। नए अध्यक्ष सहित सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। लड्डे, जीतेंगे! हर-हर महादेव!

ब्राह्मण बोट को साधने की तैयारी : विधानसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस पार्टी ने उत्तर प्रदेश में सबसे बड़ा दांव खेला है। पार्टी ने एक ब्राह्मण को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर उत्तर प्रदेश में ब्राह्मणों को लेकर हो रही सियासत को साधने का प्रयास किया है। महिला ब्राह्मण विधायक आराधना मिश्रा के जरिए कांग्रेस को लग रहा है कि उत्तर प्रदेश के ब्राह्मण अब भारतीय जनता पार्टी का साथ छोड़कर कांग्रेस पार्टी के साथ जुड़ेंगे, जिससे यूपी में पार्टी की स्थिति बेहतर होगी। मुस्लिमों को पार्टी में लाने की जुगत : कांग्रेस पार्टी ने जिस तरह से अध्यक्ष, एक कार्यकारी अध्यक्ष और दो उपाध्यक्ष बनाए हैं उनमें साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह से चुनाव को देखते हुए समीकरण साधे गए हैं। ब्राह्मणों को पार्टी से जोड़ने की जिम्मेदारी जहां



आराधना मिश्रा की होगी, वहीं मुस्लिमों को कांग्रेस के साथ लाने का जिम्मा इमरान मसूद उठाएंगे। दलित और ओबीसी पर भी फोकस : पूर्व में अनुसूचित जाति के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके दलित आलोक प्रसाद को दलितों को जोड़ने का जिम्मा सौंपा गया है। जबकि देविंदर निषाद के जरिए ओबीसी को पार्टी के साथ जोड़ने का प्रयास किया गया है। इससे पहले हाल ही में कांग्रेस ने जब मीडिया एवं कम्युनिकेशन विभाग का चेयरमैन बदला तो डॉ. सीपी राय को हटाकर कुंवर सिंह निषाद को चेयरमैन बनाया। नेता विधान मंडल दल भी ओबीसी वर्ग से वीरेंद्र चौधरी को बनाकर पार्टी ने पिछड़ा वर्ग को भी अहमियत दी है।

पिता की विरासत बेटी ने संभाली : कांग्रेस की नई प्रदेश अध्यक्ष आराधना मिश्रा तीन बार ब्लॉक प्रमुख रह चुकी हैं। उसके बाद उन्होंने अपने पिता प्रमोद तिवारी की विरासत संभाली और तीन बार से लगातार विधायक बन रही हैं। जिस सीट से उनके पिता प्रमोद तिवारी नौ बार लगातार विधायक बने थे उसी सीट पर उनकी बेटी अब लगातार विधायक बन रही हैं। प्रमोद तिवारी वर्तमान में राज्यसभा से कांग्रेस पार्टी के राज्यसभा सांसद हैं और राज्यसभा में उप नेता भी हैं।

अजय राय की मेहनत पर फिसल पानी : अजय राय ने अगस्त 2023 में प्रदेश अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संभाली थी। इसके बाद 2024 में लोकसभा चुनाव हुए। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का गठबंधन हुआ। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने इस चुनाव में पूरा जोर लगाया और पार्टी को बड़ी विजय दिलाई। जहां 2019 में कांग्रेस सिर्फ एक लोकसभा सीट जीतने में सफल हुई थी, वहीं 2024 में यह संख्या बढ़कर छह हो गई। पार्टी ने दिया जोर का झटका : यही नहीं, बनारस से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने लोकसभा चुनाव में ताल ठोक़ी और ऐसा पहली बार हुआ कि उन्होंने लगभग छह या सात राउंड तक प्रधानमंत्री मोदी को वोटों के मामले में पीछे छोड़ा। अजय राय लगातार कहते आए हैं कि चुनाव आयोग ने अगर बेईमानी न की होती तो प्रधानमंत्री मुझसे चुनाव हार गए थे। उन्होंने हाल ही में इसकी जांच की मांग भी की थी। हालांकि अब प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को कांग्रेस पार्टी ने जोरदार झटका दिया है। उन्हें प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया है। आराधना मिश्रा मोना प्रतापगढ़ की रामपुर खास सीट से तीन बार से लगातार विधायक बन रही हैं। आराधना मिश्रा मोना प्रतापगढ़ की रामपुर खास सीट से तीन बार से लगातार विधायक बन रही हैं। (चिवजव बामकपजय म्मट टीतंज)

प्रभाशी और प्रदेश अध्यक्ष के बीच चल रहा था कोल्ड वॉर : कांग्रेस आलाकमान ने दलित नेता राजेंद्र पाल गौतम को उत्तर प्रदेश का प्रभाशी बनाकर भेजा था। शुरुआत में तो प्रदेश अध्यक्ष अजय राय और राजेंद्र पाल गौतम की बनी, लेकिन फिर तनावनी का सिलसिला शुरू हो गया। कई ऐसे मौकों आए जब उन्होंने साथ में मंच और प्रेस कॉन्फ्रेंस भी साझा करना सही नहीं समझा। सवाल खड़े हुए, सियासी गलियारों में चर्चाएं भी खूब हुईं।

लखीमपुर खीरी में शारदा का रौद्र रूपय कटान से नदी में समा गया काली माता का मंदिर, अब तक 4 धार्मिक स्थल जलमग्न



लखीमपुर खीरी: जिले के गोला तहसील क्षेत्र के कुरा सुल्तानपुर में शारदा नदी इन दिनों लगातार अपना रौद्र रूप दिखा रही है। नदी के किनारे तेजी से हो रहे कटान ने ग्रामीणों की चिंता बढ़ा दी है। सोमवार को काली माता मंदिर भी कटान की चपेट में आ गया। नदी की तेज धारा के सामने मंदिर ज्यादा देर टिक नहीं सका और देखते ही देखते शारदा नदी में समा गया। जल में समाया माता का मंदिर (टपकमप बामकपजय म्मट टीतंज) ग्रामीणों ने बताया कि ये पहली बार नहीं है जब शारदा नदी ने किसी धार्मिक स्थल को निशाना बनाया हो। इससे पहले इसी गांव में करीब 500 साल पुराने वीर बाबा स्थान समेत 4 धार्मिक स्थान नदी में समा चुके हैं। धार्मिक स्थलों के नदी में समाने से ग्रामीणों में गहरी पीड़ा है। लोगों का कहना है कि जिन स्थानों से उनकी आस्था जुड़ी थी, आज वे नदी की तेज धाराओं में अपना अस्तित्व खो चुके हैं। कटान का असर केवल धार्मिक स्थलों तक सीमित नहीं है। नदी की बढ़ती धारा कई परिवारों के घरों और सैकड़ों एकड़ खेतों को भी निगल चुकी है। खेतों में खड़ी फसल नदी में समाने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। ग्रामीणों को अब डर सता रहा है कि यदि कटान इसी स्फटार से जारी रहा, तो आने वाले दिनों में और घर, कृषि, भूमि इसकी जद में आ सकती है। एसडीएम युगांतर त्रिपाठी ने बताया कि शारदा नदी के कटान की स्थिति पर प्रशासन नजर बनाए हुए है। संबंधित अधिकारियों और राजस्व टीम को स्थिति का जायजा लेने और प्रभावित क्षेत्र की निगरानी करने के निर्देश दे दिए हैं। कटान से लोगों की स्थिति और नुकसान का भी आकलन कराया जा रहा है।

'अपराधियों में डर पैदा करे दिल्ली पुलिस': महिला सुरक्षा पर सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणी



नई दिल्ली: सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली पुलिस पर यौन अपराधों को रोकने की चुनौती से निपटने के लिए जोर दिया। अदालत ने कहा कि अपराध होने के बाद अपराधियों को पकड़ना कोई समाधान नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि पुलिस अधिकारियों को संभावित अपराधियों के मन में डर पैदा करना चाहिए और किसी भी शक पर तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। अदालत ने कहा, "हमें निराश मत कीजिए, कृपया स्थिति को संभालिए। जिस भी महिला या लड़की के साथ छेड़छाड़ और बलात्कार होता है, वह हमारी बहन है, हमारी मां है। यह राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के पुलिस विभाग के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है।" यह मामला जस्टिस जे. बी. पारदीवाला की अगुवाई वाली बेंच के सामने आया था। इससे पहले, 28 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली में यौन उत्पीड़न के मामलों में तेजी से हुई बढ़ोतरी पर चिंता जताई थी। अदालत ने एक पार्क में हुए बलात्कार और चलती स्त्रीपर बस में एक नाबालिग के साथ हुए कथित यौन उत्पीड़न जैसी घटनाओं का खुद सफाई (नव उवजन) लिया था। अदालत ने संबंधित अधिकारियों से एक विस्तृत स्टेटस रिपोर्ट मांगी थी, जिसमें पूछा गया है— सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फिलहाल क्या कदम उठाए जा रहे हैं? इन स्थानों में पार्क, सड़कें, सार्वजनिक वाहन (जैसे बस), बाजार और स्कूल—कोलेज जैसी जगहें शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 5 अक्टूबर की तारीख तय की थी। सुप्रीम कोर्ट में आज हुई सुनवाई के दौरान, जस्टिस पारदीवाला ने दिल्ली पुलिस से कहा— "अब आने वाली छुट्टियों— दुर्गा पूजा और दिवाली— के दौरान ये बरमाश, मुंडे और असामा, जिन तत्व बहुत ज्यादा सक्रिय रहेंगे, इसलिए आपको बहुत ज्यादा सावधान रहना होगा। हम फिर से दोहरा रहे हैं कि इन सभी अपराधियों के मन में डर पैदा करें, अगर कुछ भी गलत हुआ, तो आपकी खैर नहीं।" अदालत के पिछले आदेश का हवाला देते हुए, बेंच ने कहा कि दिल्ली पुलिस नियमों का पालन करना शुरू कर देगी और इसमें कोई संदेह नहीं है। बेंच ने वकील से कहा कि किसी भी सुझाव के लिए उन्हें इस मामले में नियुक्त न्यायमित्र से संपर्क करना चाहिए और इसे अदालत के संज्ञान में लाया जाए। जस्टिस पारदीवाला ने कहा— "यहां आप सभी इस बात का कोई हिसाब रखते हैं कि पार्क में कौन आ रहा है और कौन बाहर जा रहा है? क्या रात के समय पार्क में ताला लगाया जाता है? आप पूरे पार्क में सीसीटीवी (ब्लैट) नहीं लगा सकते, लेकिन कम से कम एंटी और एग्जिट पॉइंट्स पर तो लगा ही सकते हैं।" बेंच ने कहा कि केवल सीसीटीवी (ब्लैट) लगा देना ही काफी नहीं है, बल्कि चौबीसों घंटे इसकी निगरानी के लिए एक सेल (कंट्रोल रूम) होना चाहिए। इसके साथ ही अदालत ने मामले की अगली सुनवाई 16 नवंबर के लिए तय कर दी। इससे पहले 28 सितंबर को, सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि एक ऐसे ठोस और मापने योग्य कदम की जरूरत है, जिसमें अपराध रोकने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और कमजोर वर्ग के लोगों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारियों की जवाबदेही तय हो। बेंच ने इस बात पर जोर दिया कि जिन सार्वजनिक जगहों पर कम रोशनी होती है, निगरानी की कमी होती है, या जहां पुलिस की गश्त और तुरंत कार्रवाई करने वाले सिस्टम की कमी होती है, वहां हर नागरिक के लिए सुरक्षा का खतरा बहुत ज्यादा बढ़ जाता है।

आदित्य ठाकरे का पासपोर्ट जब्त करो, लुकआउट नोटिस जारी करो: मंत्री नितेश राणे ने की मांग

मुंबई: महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने मांग की है कि दिशा सालियान मीत मामले के गद्देनजर आदित्य ठाकरे का पासपोर्ट तुरंत जब्त किया जाए और उनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया जाए। संवाददाताओं से बात करते हुए राणे ने दावा किया कि ऐसी संभावना है कि शिवसेना (उद्धव वालासाहेब ठाकरे) नेता और विधायक आदित्य ठाकरे गिरफ्तारी के डर से देश छोड़कर भाग सकते हैं। उन्होंने कहा कि उनके पास ऐसी जानकारी है जिससे पता चलता है कि ठाकरे विदेश जाने की तैयारी कर रहे थे, इसलिए, राणे ने गृह विभाग से पासपोर्ट जब्त करके और लुकआउट नोटिस जारी करके तुरंत कार्रवाई करने को कहा। राणे ने ऐसे उदाहरण दिए जहां बड़े अपराधी और विपत्तीय गड़बड़ियों को आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए देश छोड़कर भाग गए, उन्होंने यह भी दावा किया कि दिशा सालियान केस से जुड़ी एफआईआर और अलग-अलग बयानों में आदित्य ठाकरे का नाम 13 बार आया है।

इसके अलावा, राणे ने एक गंभीर आरोप लगाया कि अभिनेता डीनो मोरिया जिन्हें नगरपालिका अनुबंध केस के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था, सिर्फ एक दिखावा थे, और उनके असली 'गडिफार्मर' आदित्य ठाकरे थे। मंत्री नितेश राणे ने ईटीवी भारत से कहा, "वह डर के कारण ठाकरे भाड़्यों के 'गर्जना मोर्चा' में सार्वजनिक मंच पर नहीं आएंगे।" राणे ने यह भी आरोप लगाया कि आदित्य ठाकरे पर हत्या, गैररूप और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आरोप हैं। उन्होंने दावा किया कि इसी डर की वजह से आदित्य ठाकरे, ठाकरे भाड़्यों के 'गर्जना मोर्चा' (व्हाट्सएप) में सार्वजनिक मंच पर नहीं दिखे, हालांकि उनके गायब रहने का कारण बुखार बताया गया, लेकिन राणे ने दावा



किया कि असल में ठाकरे गिरफ्तारी के डर से छिपे हुए थे। राणे ने मांग की कि गृह मंत्रालय तुरंत वरिफाई करे कि आदित्य ठाकरे अभी मुंबई में अपने 'मातोश्री' घर पर हैं या विदेश भाग गए हैं। उन्होंने मांग की कि ठाकरे के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया जाए, जिसमें उनका पासपोर्ट कब्जा कि गंभीर मामलों में संदिग्धों को खुला नहीं जम्त किया जाए और सभी एयरपोर्ट पर अलर्ट जारी किया जाए ताकि उन्हें पूछताछ से बचने के लिए विदेश जाने से रोका जा सके। राणे ने जोर देकर कहा कि गंभीर मामलों में संदिग्धों को खुला नहीं छोड़ा जाना चाहिए और दिशा सालियान मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की। पुणे में स्टूडेंट्स के प्रदर्शन में भाग लूंगा : आदित्य ठाकरे वहीं विधायक आदित्य ठाकरे ने सोशल मीडिया के जरिए अपनी

बात रख है। इसमें उन्होंने एमपीएससी स्टूडेंट्स के विरोध प्रदर्शन पर अपनी बात रखी है। साथ ही उन्होंने कहा, "कल स्टूडेंट्स के साथ जाकर बैठूंगा, उन्होंने बताया कि उन्होंने हाल ही में विवेकानंद पाटिल से बात की थी और वे कल, मंगलवार (6 अक्टूबर) को पुणे में एमपीएससी से जुड़े मुद्दों पर प्रदर्शन कर रहे स्टूडेंट्स के साथ शामिल होंगे, आदित्य ठाकरे ने एमपीएससी चेयरमैन के स्टैंड पर भी सवाल उठाए। उन्होंने पूछा, "हजारों—लाखों स्टूडेंट्स आपको रिजेक्ट कर रहे हैं, वे आपसे हटने को कह रहे हैं, आप अभी भी पोस्ट पर क्यों टिके हुए हैं?" ठाकरे ने अपने पोस्ट में पूछा, "क्या आपने 'गश्त' ज्ञानेश से सबक लिया? या आप तभी इस्तीफा देंगे जब छात्र आकर एमपीएससी के दरवाजे पर बैठेंगे?"

दिल्ली और महाराष्ट्र के 'फ' में आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ी, चुनाव आयोग ने दी बड़ी राहत

नई दिल्ली: चुनाव आयोग ने दिल्ली और महाराष्ट्र में वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटरसिव रिविजन (फ) के दौरान दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा बढ़ा दी है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने शनिवार को रिविजन से जुड़े कई फैसलों को मंजूरी दी। आयोग के अनुसार, दिल्ली में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की समय-सीमा 30 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। नोटिस, दावों और आपत्तियों के निपटारे की समय-सीमा 30 नवंबर तक बढ़ा दी गई है। दिल्ली में 30 अक्टूबर को महाराष्ट्र में 12 अक्टूबर तक आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख जानकारी के अनुसार, दिल्ली 'फ' में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 30 अक्टूबर 2026 की गई। दिल्ली में नोटिस और दावे-आपत्तियों के निपटारे की समयसीमा 30



नवंबर 2026 तक बढ़ाई गई। वहीं, महाराष्ट्र में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख 12 अक्टूबर 2026 बढ़ा दी गई है। अब महाराष्ट्र में नोटिस और दावे-आपत्तियों के निपटारे की अंतिम तारीख 10 नवंबर 2026 की गई है। चुनाव आयोग की मीटिंग में लिए कई फैसले बता दें कि शनिवार को भारत निर्वाचन आयोग के तीनों आयुक्तों की मीटिंग हुई। मीटिंग के बाद चुनाव आयोग ने प्रेस

रिलीज जारी कर कहा, "अगर किसी ऐसे व्यक्ति को चल रही 'फ' के दौरान अनमैड होने और लॉजिकल गड़बड़ियों के लिए नोटिस जारी किया गया है, तो उससे ऐसे लोगों के घर जाकर डॉक्यूमेंट्स इकट्ठा करेंगे और उसके बाद म्म के फैसले के लिए उन्हें म्ममज पर अपलोड करेंगे। ऐसे लोगों को सुनवाई के लिए म्ममम ऑफिस बुलाने की जरूरत नहीं है। सिर्फ खास हालात में जैसा कि म्म तय करेगा, सुनवाई बेहतर होगा कि ऑनलाइन हो। अगर जरूरत हो, तो वोटर परिवार के किसी भी बड़े सदस्य को उनकी तरफ से सुनवाई में शामिल होने के लिए आँधराइन कर सकते हैं। ऑनलाइन सुनवाई की सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा। आयोग ने कहा कि 'फ' के लिए फॉर्म 6 के साथ अटैच की गई घोषणा को माननीय सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया है। नॉन-ए पीरियड के लिए नियमों (इलेक्टर्स रजिस्ट्रेशन

संख्या 73.3 के पास बाइक अचानक अनियंत्रित होकर गिर गई, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी मिलने पर 112 पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को एम्बुलेंस से मीढ़हा साम. दायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, यहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलने पर पीछे दूसरी बाइक से आ रहे परिजन भी मौके पर पहुंच गए हैं। मीढ़हा कोतवाली प्रभारी ने कहा कि प्रथम दृष्ट्या बाइक चालक को झपकी आने के कारण हादसा हुआ है। फिलहाल अन्य पहलुओं की भी जांच की जा रही है। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

तीसरी भाषा में पास करने पर ही मिलेगी 10वीं की सर्टिफिकेट, बैम् ने जारी किया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली: केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (बैम्) ने स्पष्ट किया है कि कक्षा 9 के विद्यार्थियों के मौजूदा बैच के लिए कक्षा 10 की परीक्षा में तीसरी भाषा (तृ) को बोर्ड परीक्षा विषय के तौर पर शामिल नहीं किया जाएगा, लेकिन, बैम् की 10वीं कक्षा की पास सर्टिफिकेट पाने के लिए विद्यार्थियों को तीसरी भाषा में स्कूल-आधारित परीक्षा सफलतापूर्वक पास करनी होगी। यह स्पष्टीकरण बोर्ड के 10 जुलाई के कार्यान्वयन दिशानिर्देश (पुनर्समन्वयन/अवकाश/अन्य/अन्य) के जरिये जारी किया गया है और यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति (छम्) 2020 के तहत बैम् की संशोधित तीन-भाषा नीति पर चल रही चर्चाओं के बीच आया है। संशोधित फ्रेमवर्क के तहत, 2026-27 शैक्षणिक सत्र में कक्षा 9 में एडमिशन लेने वाले स्टूडेंट्स तीन भाषाएं पढ़ेंगे, जिनमें से कम से कम दो भारतीय भाषाएं होनी अनिवार्य हैं। हालांकि इस बैच के लिए कक्षा 10 में तीसरी भाषा बोर्ड परीक्षा का विषय नहीं होगी, लेकिन स्कूल द्वारा किया जाने वाला आंतरिक मूल्यांकन पास करना जरूरी होगी। 10 जुलाई के संकुल के मुताबिक, जो स्टूडेंट्स 2027-28 शैक्षणिक सत्र में कक्षा 10 में जाएंगे, वे तीसरी भाषा (तृ) में बैम् बोर्ड परीक्षा नहीं देंगे, हालांकि, बोर्ड से कक्षा 10 पास सर्टिफिकेट पाने के लिए उन्हें स्कूल-बैच असेसमेंट पास करना होगा। बैम् ने स्कूलों को यह भी निर्देश दिया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि जो स्टूडेंट्स कक्षा 10 में तृ असेसमेंट पास नहीं कर पाते हैं, उन्हें कक्षा 10 बोर्ड परीक्षा के रिजल्ट आने से पहले एक और मौका दिया जाए, संबंधित स्कूल की जिम्मेदारी होगी कि वह योग्य विद्यार्थी को सर्टिफिकेशन की जरूरत पूरी करने में मदद करने के लिए दोबारा योग्य विद्यार्थी करें।



स्टूडेंट्स के लिए असेसमेंट प्रक्रिया बोर्ड ने उन स्टूडेंट्स के लिए प्रक्रिया भी बताई है जो कक्षा 9 में पढ़ते हुए तीसरी भाषा का असेसमेंट पास नहीं कर पाते हैं, ऐसे स्टूडेंट्स को फिर भी कक्षा 10 में प्रमोट किया जाएगा, लेकिन उन्हें अपनी पढ़ाई जारी रखते हुए अगले शैक्षणिक वर्ष में लंबित कक्षा 9 का तृ असेसमेंट पास करना होगा। बैम् ने कहा कि कक्षा 9 के लिए असेसमेंट फ्रेमवर्क पहले ही अधिसूचित कर दिया गया है और इसे लागू करने की प्रक्रिया के दौरान स्कूलों और स्टूडेंट्स की मदद करने के लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (छम्) के जरिये भाषा सीखने के संसाधन विकसित और उपलब्ध कराए जा रहे हैं। 10 जुलाई का स्पष्टीकरण, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (छम्) 2020 के तहत तीन-भाषा फ्रेमवर्क को लागू करने के लिए बैम् द्वारा 29 जून को जारी की गई इम्प्लीमेंटेशन गाइडलाइंस पर आधारित है। टूटें के लिए तीन भाषाएं संशोधित नीति के तहत, 2026-27 शैक्षणिक सत्र से कक्षा 9 में एडमिशन लेने वाले हर स्टूडेंट को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें से कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी, बोर्ड ने उन स्टूडेंट्स के लिए एक बार बदलाव में छूट भी दी है जो पहले से ही इंग्लिश और फ्रेंच या इंग्लिश और जर्मन जैसी

दो विदेशी भाषाएं पढ़ रहे हैं। वे स्टूडेंट्स उन भाषाओं को पढ़ना जारी रख सकते हैं, लेकिन उन्हें अपनी तीसरी भाषा के तौर पर एक भारतीय भाषा जोड़नी होगी। कक्षा 10 के छात्रों के लिए कोई बदलाव नहीं। बैम् ने स्पष्ट किया है कि 2026-27 शैक्षणिक सत्र के दौरान जो स्टूडेंट्स पहले से कक्षा 10 में पढ़ रहे हैं, उनके लिए कोई बदलाव नहीं होगा, क्योंकि वे बिना किसी बदलाव के मौजूदा दो-भाषा स्कीम कलए बैम् द्वारा 29 जून को जारी की गई इम्प्लीमेंटेशन गाइडलाइंस पर आधारित है। टूटें के लिए तीन भाषाएं संशोधित नीति के तहत, 2026-27 शैक्षणिक सत्र से कक्षा 9 में एडमिशन लेने वाले हर स्टूडेंट को तीन भाषाएं पढ़नी होंगी, जिनमें से कम से कम दो भारतीय भाषाएं होंगी, बोर्ड ने उन स्टूडेंट्स के लिए एक बार बदलाव में छूट भी दी है जो पहले से ही इंग्लिश और फ्रेंच या इंग्लिश और जर्मन जैसी

‘खून से लथपथ पायलट सुनोई दी चीखें, अचानक ही नीचे आने लगा विमान’

तेल अवीव : संयुक्त अरब अमीरात से इजराइल जा रहे एक कमर्शियल प्लेन में पायलटों के बीच हुई लड़ाई के कारण बुधवार को विमान को सऊदी अरब में इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी, इस घटना से दर्जनों इजराइली नागरिकों को ले जा रहे विमान के हाईजैक होने की आशंका पैदा हो गई और इजराइल को अपने लड़ाकू विमान भेजने पड़े।

यात्रियों ने फोन पर इजराइल के चीनल 12 को बताया कि उन्होंने प्लेन में आगे बैठे लोगों की चीखें सुनीं, जिन्होंने पायलटों के बीच बहस सुनी थी, और सऊदी अरब में उतरने से पहले प्लेन तेजी से नीचे की ओर झुका, तबुक एयरपोर्ट ने बताया कि फ्लाईडुबई की एक फ्लाइट ने स्थानीय समय के अनुसार सुबह 8:44 बजे डिस्ट्रेस कॉल (मदद के लिए कॉल) किया और फिर सुबह 9:45 बजे सुरक्षित लैंडिंग की, फ्लाईडुबई ने पुष्टि की कि वेन गुरियन एयरपोर्ट जा रही फ्लाइट 6 1073 के साथ एक घटना हुई और वह बुधवार को तबुक में उतरी।

खून से सनी टी-शर्ट और पायलटों की दूसरी टीम - विमान में सवार यात्रियों ने पायलटों के बीच हुई बहस के दौरान उन्हें अलग करने की कोशिश की, सोशल मीडिया पर खून से सनी टी-शर्ट पहने एक यात्री की तस्वीरें भी शेयर की जा रही हैं। चीनल 12 की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारी इस बात की जांच कर रहे थे कि क्या पायलटों में से किसी ने विमान को क्रीश करके आत्महत्या करने की कोशिश की थी, और दूसरे पायलट ने शायद क्रीश को रोकने के



लिए बीच-बचाव किया था, इन रिपोर्टों की तुरंत पुष्टि करना संभव नहीं था। यह भी बताया गया कि सिविलियन कपड़ों में पायलटों की एक दूसरी टीम ने लैंडिंग की, हालांकि इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई। खबरों के मुताबिक, दो यात्रियों ने एक पायलट को प्लेन का कंट्रोल लेने से रोका, ऑनलाइन शेयर किए गए एक वीडियो में खून से लथपथ चेहरे वाला एक व्यक्ति यह कहते हुए दिखा रहा है, “हमने कॉकपिट का कंट्रोल ले लिया है और हम लैंड करने वाले हैं।”

इसमें आगे बताया गया है कि किसी ने पायलट को चाकू मारा, ‘द टाइम्स ऑफ इजराइल’ की एक रिपोर्ट के अनुसार, फ्लाईडुबई फ्लाइट में सवार यात्रियों ने घबराहट के माहौल का जिक्र किया, जिसमें चीख-पुकार, कॉकपिट में खून और अचानक नीचे की ओर गोता लगाना शामिल था। फ्लाइट ट्रेकिंग द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, दुबई से निकलने के लगभग डेढ़ घंटे बाद प्लेन ने एक इमरजेंसी अलर्ट भेजा, फ्लाइट रडार 24 के अनुसार, फ्लाइट अचानक 33,000 फीट से 17,000 फीट (लगभग 10,000 मीटर से 5,100 मीटर) की ऊंचाई पर आ गई, इसके बाद उसने जॉर्डन बॉर्डर के पास अजीब तरह से चक्कर लगाया और आखिरकार लगभग एक घंटे बाद तबुक में लैंड किया। क्षेत्रीय अधिकारी ने कहा, “जांच के तहत क़ू से पूछताछ की गई है।” लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि किसी को हिरासत में लिया गया है या नहीं, सऊदी के सरकारी टीवी चीनल ‘अल-एखबारिया’ की रिपोर्ट के अनुसार, तबुक में प्रिंस सुल्तान बिन अब्दुलअजीज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एक बयान में कहा गया है कि विमान के कैंप्टन और फर्स्ट ऑफिसर घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। एक अन्य अधिकारी ने

री के अनुसार, दुबई से निकलने के लगभग डेढ़ घंटे बाद प्लेन ने एक इमरजेंसी अलर्ट भेजा, फ्लाइट रडार 24 के अनुसार, फ्लाइट अचानक 33,000 फीट से 17,000 फीट (लगभग 10,000 मीटर से 5,100 मीटर) की ऊंचाई पर आ गई, इसके बाद उसने जॉर्डन बॉर्डर के पास अजीब तरह से चक्कर लगाया और आखिरकार लगभग एक घंटे बाद तबुक में लैंड किया। क्षेत्रीय अधिकारी ने कहा, “जांच के तहत क़ू से पूछताछ की गई है।” लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि किसी को हिरासत में लिया गया है या नहीं, सऊदी के सरकारी टीवी चीनल ‘अल-एखबारिया’ की रिपोर्ट के अनुसार, तबुक में प्रिंस सुल्तान बिन अब्दुलअजीज इंटरनेशनल एयरपोर्ट के एक बयान में कहा गया है कि विमान के कैंप्टन और फर्स्ट ऑफिसर घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। एक अन्य अधिकारी ने

उत्तराखंड में फर्जी दस्तावेजों का जाल! सैकड़ों शिक्षकों के सर्टिफिकेट संदिग्ध, जांच शुरू



देहरादून: उत्तराखंड में फर्जी प्रमाण पत्रों के आधार पर नौकरी अपने वाले शिक्षकों पर नकल कसे जाने का सिलसिला जारी है। इस कड़ी में राज्य में अलग-अलग जिलों से शिकायतों के आधार पर जांच जारी है। खास बात यह है कि प्रमाण पत्रों की जांच में इनके फर्जी पाए जाने के बाद ऐसे शिक्षकों पर कार्रवाई भी की जा रही है। बागेश्वर से भी इसी तरह के मामले सामने आए हैं जहां 10 शिक्षकों के प्रमाण पत्र फर्जी मिलने की खबर है। उत्तराखंड में सरकारी नौकरी के लिए फर्जी प्रमाण पत्रों का सहारा लेना कोई नई बात नहीं है, लेकिन इस बार बात 10, 20 या 50 मामला की नहीं है, बल्कि शिक्षा विभाग के रडार पर सैकड़ों शिक्षकों की, जिनमें खास तौर पर पर्वतीय क्षेत्र में ग्रामीण इलाकों में सेवाएं दे रहे शिक्षक शामिल हैं। दरअसल, इन शिक्षकों के न केवल शैक्षिक प्रमाण पत्र बल्कि जन्म प्रमाण पत्र भी संदेह के घेरे में हैं।

चीकाने वाली बात यह है कि जिला कैंडर के रूप में काम कर रहे ऐसे शिक्षकों की संख्या सैकड़ों में बताई गई है। हालांकि ऐसे मामले सामने आने के बाद से ही लगातार यह शिक्षक जांच के दायरे में ले गए हैं। प्रारंभिक शिक्षा निदेशक कुंवर सिंह रावत के मुताबिक विभिन्न जिलों में ऐसे शिक्षकों को चिन्हित किया गया है, लगातार ऐसे शिक्षकों के प्रमाण पत्रों की जांच भी की जा रही है, इसमें शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के अलावा जन्म और स्थाई निवास प्रमाण पत्र के भी फर्जी होने का अंदेशा है, जिसके बाद बड़े स्तर पर जांच चल रही है, खास बात यह है कि बागेश्वर जिले में ऐसे 10 शिक्षकों को जांच के बाद बर्खास्त करने की जानकारी है, इन शिक्षकों के प्रमाण पत्रों को लेकर भी काफी समय से जांच चल रही थी, जांच रिपोर्ट में प्रमाण पत्र गलत पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई है, फिलहाल शिक्षकों के प्रमाण पत्र को

लेकर ही जांच चल रही है लेकिन इसके बाद सत्यापन प्रक्रिया और ऐसे शिक्षकों की नियुक्ति के दौरान विभिन्न स्तर पर सरकारी सिस्टम की भूमिका को लेकर भी अलग से जांच की जाएगी। फिलहाल सफर्जी होने का अंदेशा है, जिसके बाद बड़े स्तर पर जांच चल रही है, खास बात यह है कि बागेश्वर जिले में ऐसे 10 शिक्षकों को जांच के बाद बर्खास्त करने की जानकारी है, इन शिक्षकों के प्रमाण पत्रों को लेकर भी काफी समय से जांच चल रही थी, जांच रिपोर्ट में प्रमाण पत्र गलत पाए जाने के बाद यह कार्रवाई की गई है, फिलहाल शिक्षकों के प्रमाण पत्र को



आज का जमाना लाइफस्टाइल डिसेंजर का है। आजकल ज्यादा देर तक बैठे रहने से स्पाइन प्रॉब्लम, या हार्ट डिजीज का खतरा होने लगा है। नींद की कमी से डिप्रेशन, हार्मोनल इम्बैलेंस और इम्युनिटी कमजोर होने लगी है। स्वास्थ्य को बचाने के लिए जेब पर बोझ बढ़ता जाता है। इसलिए इंश्योरेंस जरूरी है ताकि अस्पताल के खर्च आपके बाकी जरूरतों पर भारी ना पड़ जाए। हेल्थ इंश्योरेंस क्या है? एक हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी ऐसा सुरक्षा कवच है जो आपके और आपके परिवार के मेडिकल खर्चों को कवर करता है। जब कभी किसी दुर्घटना या बीमारी के कारण आपको अस्पताल में भर्ती होना पड़े तो उसके इलाज में लगने वाले खर्च को बीमा कंपनी उठाती है। इसमें हॉस्पिटलाइजेशन, सर्जरी, दवाइयों, डॉक्टर की फीस, टेस्ट और डे-केयर ट्रीटमेंट जैसे खर्च शामिल होते हैं। हेल्थ इंश्योरेंस का महत्वजब स्वास्थ्य अच्छा होता है तब हेल्थ इंश्योरेंस की जरूरत महसूस नहीं होती। लेकिन हेल्थ पर बढ़ती उम्र और बदलती लाइफस्टाइल का असर काफी देर बाद नजर आता है। इसलिए इंश्योरेंस लीजिए क्योंकि-बड़े खर्च-हर साल हेल्थकेयर महंगा होते जा रहा है।

बढ़ती टेक्नॉलजी, महंगी दवाइयों, प्राइवेट हॉस्पिटल के खर्च, डॉक्टर की फीस, टेस्ट्स, एम्बुलेंस ये सभी जेब पर भारी पड़ने वाले हैं। इंश्योरेंस ना होने पर आपको फाइनेंशियल प्लानिंग बिगड़ सकती है। लाइफस्टाइल डिजीज-शराब नहीं पीने वाले को भी कैंसर जैसी बीमारी होने लगी है। इसका मतलब बीमारियों किसी को भी हो सकती है क्योंकि ये सभी खराब जीवनशैली का नतीजा है। डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हार्ट अटैक, चूड़े, ये सभी सर्दी-जुकाम की तरह कॉमन होते जा रहे हैं। इनका इलाज काफी लंबा और महंगा होता है। इंश्योरेंस ना होने पर आपको लंबे समायी तक इनका खर्च उठाना पड़ेगा। टैक्स वेनेफिट- हेल्थ इंश्योरेंस लेने पर आपको टैक्स में भी राहत मिलती है। इनकम टैक्स ऐक्ट, 1961 की धारा 80क के तहत आप प्रीमियम पर ₹25,000 तक की छूट का फायदा ले सकते हैं। भारत में हेल्थ इंश्योरेंस की प्रक्रियाभारत में हेल्थ इंश्योरेंस की कई पॉलिसी उपलब्ध हैं। उसके मुख्य प्रकार हैं-इंडिविजुअल & व्यक्तिगत पॉलिसी-ये पॉलिसी सिर्फ एक व्यक्ति को कवर करता है। इस प्रकार की हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी आपके अस्पताल में भर्ती होने, सर्जरी, रूम

रेंट, डे-केयर प्रक्रियाओं और अन्य मेडिकल खर्चों को कवर करती है। फॅमिली फ्लोटर प्लान-इस पॉलिसी में पूरा परिवार कवर होता है। इस पॉलिसी की राशि पूरे परिवार के लिए इस्तेमाल होती है। सीनियर सिटिजन प्लान-यह 60 वर्ष के ऊपर के लोगों के लिए खास प्लान है। सीनियर सिटिजन हेल्थ इंश्योरेंस प्लान में वरिष्ठ नागरिकों की लगभग सभी जरूरतों को कवर किया जाता है। क्रिटिकल इलनेस इंश्योरेंस-कैंसर, हार्ट अटैक, किडनी फेल्योर जैसी गंभीर बीमारियों के लिए ये प्लान है। मर्नर्निटी हेल्थ इंश्योरेंस-ये अक्सर राइडर के तौर पर लिया जाता है। इसमें गर्भावस्था से जुड़े सभी खर्च कवर किए जाते हैं। ग्रुप इंश्योरेंस प्लान-ये इंश्योरेंस कोई एम्प्लॉयर या ऑर्गेनाइजेशन अपने कर्मचारियों के लिए लेते हैं। इसमें एक ही प्लान में सभी लोग कवर किए जाते हैं। टॉप-अप और सुपर टॉप-अप प्लान-ये प्लान बेसिक हेल्थ इंश्योरेंस से ज्यादा कवरेज देता है। इसका प्रीमियम बेसिक हेल्थ प्लान से ज्यादा होता है। सही हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी कैसे

फ्रिज में स्टोर करने से इसपर वाले धब्बे पड़ सकते हैं या असमान रूप सेपक सकते हैं, आम के पूरे स्वाद और रस का आनंद लेने के लिए इसे कमरे के तापमान पर स्टोर करना सबसे अच्छा तरीका है।

जैमेम 9 तिनपजो वैनसक दवज इम मचज पद ज़ीम तिपकहम मअमद जिमत तिममपदह, िदवू ल?

आम (लम्ज्जल् प्ड लब्बै)

एवोकाडो— एवोकाडो को रेफ्रिजरेटर में स्टोर नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ठंडा तापमान पकने की प्रक्रिया को धीमा कर सकता है और उन्हें सख़्त कर सकता है, फ्रिज में रखने से इस फल के स्वाद और बनावट पर भी असर पड़ सकता है। ध्यान रखें कि कच्चे एवोकाडो को फ्रिज में न रखें बल्कि इसके पूरी तरह पकने के बाद आम इसे फ्रिज में स्टोर कर सकते हैं।

संतरे— रेफ्रिजरेटर में रखने पर संतरे सुख सकते हैं और अपना रस खो सकते हैं। इसलिए इन्हें कमरे के तापमान पर ही स्टोर करें, ऐसा करने से इनका स्वाद और ताज़गी बरकरार रहती है। संतरे को फ्रिज में रखने से इसका स्वाद खराब हो सकता है, खाने पर इसका स्वाद कड़वा या खट्टा हो सकता है।सेब— ठंडे तापमान के कारण सेब के फल का रंग फीका पड़ सकता है, बनावट और स्वाद खराब हो सकता है, साथ ही इसका कुरकुरापन भी खत्म हो सकता है।

इसके अतिरिक्त, रेफ्रिजरेटर में रखे सेब अन्य खाद्य पदार्थों की गंध को अवशोषित कर सकते हैं, जिससे उनका स्वाद प्रभावित हो सकता है।

सेब की ताज़गी और स्वाद बनाए रखने के लिए, उन्हें कमरे के तापमान पर ठंडी, सूखी जगह पर स्टोर करना सबसे अच्छा तरीका है।जैमेम 9 तिनपजो वैनसक दवज इम मचज पद ज़ीम तिपकहम मअमद जिमत तिममपदह, िदवू ल?

इन 9 फलों को जमाकर भी फ्रिज में नहीं रखना चाहिए (लम्ज्जल् प्ड लब्बै)

आड़ू— आड़ू को रेफ्रिजरेटर में नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे उनके पकने की प्रक्रिया रुक जाती है, जिससे स्वाद और गुंदादार बनावट खत्म हो जाती है। उन्हें कमरे के तापमान पर रखने से वे प्राकृतिक रूप से पक जाते हैं, जिससे उनकी मिठास और रसीलापन बढ़ जाता है।

सर्वातम स्वाद और बनावट के लिए, आड़ू को कांउटर पर रखें और उनकी ताज़गी बढ़ाने के लिए पूरी तरह से पकने पर ही उन्हें फ्रिज में रखें।

जामुन— विशेषज्ञों के मुताबिक ब्लैकबेरी का सेवन ताज़ा ही करना चाहिए। इन्हें कमरे के तापमान पर संग्रहित करना सबसे अच्छा है, क्योंकि रेफ्रिजरेटर में नमी जमा होने से फल खराब हो सकते हैं।

जैमेम 9 तिनपजो वैनसक दवज इम मचज पद ज़ीम तिपकहम मअमद जिमत तिममपदह, िदवू ल?

बेर (लम्ज्जल् प्ड लब्बै)

बेर— यह सुझाव दिया जाता है कि कच्चे प्लम या बेर को फ्रिज में न रखें, क्योंकि वे वहां नहीं पकेंगे और ठंडी जलवायु इसके स्वाद और बनावट को नुकसान पहुंचा सकती है। यहां तक ​​​​घटके पके हुए आलुबुखारे भी रेफ्रिजरेटर में रखने पर अपना स्वाद और बनावट खो देते हैं।

भारत की महिला हॉकी टीम ने रचा इतिहास, 44 साल बाद एशियन गेम्स में जीता गोल्ड मेडल



काकाभिगाहारा (जापान) : भारत की महिला हॉकी टीम ने एशियाई खेलों में 44 साल बाद स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। मैच के दसवें मिनट में लालरेमिसियामी के गोल और पेनल्टी स्ट्रोक पर गोलकीपर सविता पूनिया के शानदार बचाव के दम पर भारतीय टीम ने लॉस एंजलिस ओलंपिक 2028 के लिए क्वालीफाई कर लिया। इससे पहले पेरिस ओलंपिक 2024 के लिये यह टीम क्वालीफाई नहीं कर पाई थी। बता दें कि भारतीय महिला हॉकी टीम ने इससे पहले 1982 में दिल्ली में हुए एशियाई खेलों में स्वर्ण हासिल किया था। उसी वर्ष पहली बार महिला हॉकी को इन खेलों में शामिल किया गया था। पेरिस ओलंपिक में रजत पदक विजेता चीन के विरुद्ध भारत की लालरेमिसियामी ने दसवें मिनट में गोलकर टीम को बढ़त दी थी जो मैच समाप्त होने तक कायम रही। वहीं अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही लालरेमिसियामी ने गोल के दाहिने ओर मिला गेंद को सीधे गोलपोस्ट के अंदर भेज दिया। वने इससे पहले 1982 में दिल्ली में हुए ही दूसरे क्वार्टर में सविता ने अपने बायीं ओर डाइव लगाकर पेनल्टी स्ट्रोक को बचा लिया। इसके साथ ही चीन को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि जापान ने शूटआउट में कोरिया को

हराकर कांस्य पदक हासिल किया। 2026 एशियन गेम्स में शुक्रवार का दिन भारत के लिए बेहद खास रहा। आज भारत की झोली में कुल 6 गोल्ड मेडल आए। भारत ने आज 13 मेडल अपने नाम किए। मेडल टैली में भारत पांचवें स्थान पर आ गया है। भारत के कुल मेडल की संख्या अब 76 पहुंच गई है। भारतीय टीम: बिष्णु देवी (गोलकीपर), सलीमा टेट (कप्तान), नवनीत कौर, निक्की प्रधान, दीपिका, लालरेमिसियामी, मेहा, ज्योति, सुशीला चानू, इशिका चौधरी, सुने, लिता टोपो, शिल्पी डबास, सविता पूनिया (गोलथा। उसी वर्ष पहली बार महिला हॉकी को इन खेलों में शामिल किया गया था। पेरिस ओलंपिक में रजत पदक विजेता चीन के विरुद्ध भारत की लालरेमिसियामी ने दसवें मिनट में गोलकर टीम को बढ़त दी थी जो मैच समाप्त होने तक कायम रही। वहीं अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही लालरेमिसियामी ने गोल के दाहिने ओर मिला गेंद को सीधे गोलपोस्ट के अंदर भेज दिया। वने इससे पहले 1982 में दिल्ली में हुए ही दूसरे क्वार्टर में सविता ने अपने बायीं ओर डाइव लगाकर पेनल्टी स्ट्रोक को बचा लिया। इसके साथ ही चीन को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि जापान ने शूटआउट में कोरिया को

हराकर कांस्य पदक हासिल किया। 2026 एशियन गेम्स में शुक्रवार का दिन भारत के लिए बेहद खास रहा। आज भारत की झोली में कुल 6 गोल्ड मेडल आए। भारत ने आज 13 मेडल अपने नाम किए। मेडल टैली में भारत पांचवें स्थान पर आ गया है। भारत के कुल मेडल की संख्या अब 76 पहुंच गई है। भारतीय टीम: बिष्णु देवी (गोलकीपर), सलीमा टेट (कप्तान), नवनीत कौर, निक्की प्रधान, दीपिका, लालरेमिसियामी, मेहा, ज्योति, सुशीला चानू, इशिका चौधरी, सुने, लिता टोपो, शिल्पी डबास, सविता पूनिया (गोलथा। उसी वर्ष पहली बार महिला हॉकी को इन खेलों में शामिल किया गया था। पेरिस ओलंपिक में रजत पदक विजेता चीन के विरुद्ध भारत की लालरेमिसियामी ने दसवें मिनट में गोलकर टीम को बढ़त दी थी जो मैच समाप्त होने तक कायम रही। वहीं अपना 200वां अंतरराष्ट्रीय मैच खेल रही लालरेमिसियामी ने गोल के दाहिने ओर मिला गेंद को सीधे गोलपोस्ट के अंदर भेज दिया। वने इससे पहले 1982 में दिल्ली में हुए ही दूसरे क्वार्टर में सविता ने अपने बायीं ओर डाइव लगाकर पेनल्टी स्ट्रोक को बचा लिया। इसके साथ ही चीन को रजत पदक से संतोष करना पड़ा, जबकि जापान ने शूटआउट में कोरिया को

ऑटो और मेटल शेयरों में भारी बिकवाली, सेंसेक्स 570 अंक टूटकर बंद



मुंबई: घरेलू शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में भारी गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक बाजारों से मिले कमजोर संकेतों, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और बॉन्ड यील्ड में उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी। इस चोतरफा बिकवाली के कारण बीएसई सेंसेक्स 570.59 अंक (0.79%) टूटकर 71,909.70 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं, एनएसई निफ्टी 198.50 अंक (0.88%) की गिरावट के साथ 22,421.95 के स्तर पर आ गया, जो कि 22,450 के महत्वपूर्ण स्तर से नीचे है।

जिससे बाजारों में विदेशी संस्थागत निवेशकों (थे) का भरोसा डगमगाया है। ब्याज दरों की चिंता: केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में और बढ़ोतरी की संभावना से बाजार सहभागियों में घबराहट का माहौल बना हुआ है। आज का कैसा रहा बाजार (मूट टैंतज)सेक्टर का प्रदर्शन और बड़े नुकसान वाले शेयरबाजार में आज सबसे ज्यादा मार ऑटोमोबाइल, मीडिया, मेटल और एफएमसीजी (थेडब्लू) सेक्टर पर पड़ी। निफ्टी ऑटो इंडेक्स में करीब 3% की गिरावट देखी गई। टॉप लूजर्स: निफ्टी की कंपनियों में बजाज ऑटो, मारुति सुजुकी इंडिया और श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बॉन्ड मार्केट का हाल: मिडकैप और स्मॉलकैप इंडेक्स भी बिकवाली के दबाव से बच नहीं पाए। निफ्टी

मिडकैप 100 में 1.01% और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.97% की कमजोरी देखी गई। आज से गिरने वाले प्रमुख शेयर: आज से गिरने वाले प्रमुख शेयर (मूट टैंतज)आईटी सेक्टर ने दिया सहारा: इस भारी गिरावट के बीच केवल सूचना प्रौद्योगिकी (प्) शेयरों ने बाजार को संभालने का प्रयास किया। निफ्टी आईटी इंडेक्स आज का सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला सेक्टर रहा, जिसमें टीसीएस और इन्फोसिस जैसी दिग्गज कंपनियों के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली। तकनीकी दृष्टिकोण और निवेशकों के लिए सलाह: बाजार विश्लेषकों के अनुसार, निफ्टी अपने साप्ताहिक सपोर्ट जेन (22,600/22,580) को तोड़कर नीचे आ चुका है। अब इसके लिए 22,400 का स्तर एक महत्वपूर्ण सपोर्ट है। यदि निफ्टी 22,400 के स्तर को बनाए रखने में विफल रहता है,

ईरानी कप: मुकेश-आकाश ने झटके 9 विकेट, रेस्ट ऑफ इंडिया ने रणजी चैंपियन को हराया

श्रीनगर (जम्मू कश्मीर): तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और आकाशदीप की खतरनाक गेंदबाजी की बदौलत जम्मू कश्मीर की दूसरी पारी 279 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 111 रनों पर ही सिमट गई। जिसकी वजह से रेस्ट ऑफ इंडिया ने 167 रनों से मैच जीतकर ईरानी कप अपने नाम कर लिया। ये रेस्ट ऑफ इंडिया का रिकॉर्ड 31वां ईरानी कप खिताब है। मुकेश कुमार ने 10.4 ओवर में 33 रन देकर 6 विकेट झटके, जो उनके करियर का 11वां फर्स्ट-क्लास 'फाइफर' (एक पारी में 5 विकेट) था। दूसरी पारी में उन्होंने चार गेंदों में तीन विकेट लिए, जिससे मेजबान टीम का मिडिल-ऑर्डर पूरी तरह से सकल में आ गया। मुकेश ने पहली पारी में उन्होंने 3 विकेट लिए थे। गेंदबाज के उनके साथी खिलाड़ी आकाशदीप ने वापसी करते हुए बेहतरीन साथ दिया और अच्छी गति से गेंदबाजी करते हुए 25 रन देकर 3 विकेट लिए, जबकि मुकेश चौधरी ने खतरनाक बल्लेबाज अब्दुल समद का अठम विकेट लिया। शुभम खजुरिया (36), कामरान इकबाल (32) और अब्दुल समद (20) ही जम्मू कश्मीर की पारी में सरफराज खान ने कार्यवाहक कप्तान की भूमिका निभाई और पहली पारी में बढ़त गंवाने के बावजूद 'रेस्ट ऑफ इंडिया' को शानदार जीत



दिलाई। रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 237 रन बनाए थे जबकि जम्मू कश्मीर ने पहली में 278 रन बनाकर 41 रनों की मामूली बढ़त हासिल की थी। स्मरण रविचंद्रन को मिला अवॉर्ड: दूसरी के ऐसे बल्लेबाज थे जो दहाई का आंकड़ा छू पाए, जबकि बाकी बल्लेबाज 'रेस्ट ऑफ इंडिया' की तेज गेंदबाजी के सामने ताश के पत्तों की तरह ढह गए। यह शानदार जीत कप्तान ऋषभ पंत के लिए जन्मदिन का बेहतरीन तोड़फा साबित हुई, जो बुखार के कारण डगआउट से मैच

देख रहे थे। वहीं, चौथी पारी में सरफराज खान ने कार्यवाहक कप्तान की भूमिका निभाई और पहली पारी में बढ़त गंवाने के बावजूद 'रेस्ट ऑफ इंडिया' को शानदार जीत दिलाई। रेस्ट ऑफ इंडिया ने पहली पारी में 237 रन बनाए थे जबकि जम्मू कश्मीर ने पहली में 278 रन बनाकर 41 रनों की मामूली बढ़त हासिल की थी। स्मरण रविचंद्रन को मिला अवॉर्ड: दूसरी पारी में 153 गेंदों पर 135 रन (16 चौके और 5 छक्के) बनाने वाले स्मरण रविचंद्रन का प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड दिया गया, उन्होंने

एशियन गेम्स 2026 में भारत ने जीते कुल 85 मेडल, देखें किस खेल में मिला गोल्ड ?

एशियन गेम्स 2026 का आज आखिरी दिन है। इस दिन भारत का कोई मैच नहीं है। इसलिए भारत को मेडल टैली में किसी तरह के कोई बढ़ोतरी का कोई पानस नहीं है। 19 सितंबर से शुरू होने वाले 20वें एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन पिछले एशियाई खेलों के मुकाबले अच्छा नहीं रहा, क्योंकि भारत एशियन गेम्स 2026 के मेडल टैली में चौथे स्थान पर तो जरूर है लेकिन उसके मेडल पिछले एशियन गेम्स से 22 मेडल कम है। एशियन गेम्स 2026 में भारत ने तीरंदाजी, बॉक्सिंग, हॉकी, क्रिकेट, कुश्ती, शूटिंग, कबड्डी और स्क्वाश में



शानदार प्रदर्शन किया। लेकिन बैडमिंटन और टेनिस के खिलाड़ियों ने सबसे ज्यादा निराश किया, क्योंकि बैडमिंटन में केवल एक मेडल ही मिल सका जो भी टीम इवेंट में। इसका अलावा को इडिविजुअल में कोई भी मेडल नहीं आ सका। जो कि 2014 के

बाद पहली बार है। वहीं टेनिस में जो भी भारत एक भी मेडल नहीं जीत सका। भारत को किस खेल में मिला गोल्ड? एशियन गेम्स 2026 में कुल 43 खेलों में से भारत ने 20 खेलों में 85 मेडल जीते। हालांकि भारत ने सिर्फ 34 खेलों में भाग लिया था। तीरंदाजी में भारत का सबसे शानदार प्रदर्शन रहा जिसमें उन्होंने 5 गोल्ड समेत कुल 9 मेडल जीते। इसके बाद शूटिंग और बॉक्सिंग में तीन-तीन गोल्ड मिले, जबकि क्रिकेट, हॉकी, कबड्डी और कुश्ती में दो-दो गोल्ड जीतकर सबको चौंका दिया। भारत ने इस एशियन गेम्स में कुल 21 गोल्ड जीते।



नई दिल्ली: जीएसटी परिषद बुधवार को कारोबारियों के लिए कर अनुपालन को आसान बनाने के लिए व्यापक प्रक्रियागत सुधारों पर विचार कर सकती है। इनमें छोटे ई-कॉमर्स विक्रेताओं को जीएसटी पंजीकरण के लिए मंच के गोदाओं का उपयोग करने की अनुमति देना, वास्तविक खरीदारों के इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) की रखा करना और कम मूल्य के मुकदमों को घटाना शामिल है। जीएसटी 2.0 प्रक्रिया सुधारों के तहत ये प्रस्ताव पंजीकरण और रिटर्न दाखिल करने को आसान बनाने, माल की आवाजाही को अधिक सुगम बनाने तथा करदाताओं और कर विभाग के बीच विवादों को कम करने पर केंद्रित हैं। इन प्रस्तावों में एक छोटे ई-कॉमर्स विक्रेताओं को उन राज्यों में मंच के गोदाओं को अपने पंजीकृत व्यावसायिक स्थल के रूप में दर्शाने की अनुमति देने से संबंधित है, जहां उनका अपना कोई परिसर नहीं है। इसके तहत विक्रेता भी किसी एक राज्य में वास्तविक उपस्थिति जरूरी होगी, जहां भौतिक सत्यापन और आधार प्रमाणीकरण पूरा किया जाएगा। इसके बाद अन्य राज्यों में पंजीकरण ई-कॉमर्स मंच की सहमति से बिना किसी कर अधिकारी के अतिरिक्त दखल के मिल सकेगी।

सूत्रों ने कहा कि इस कदम से करीब 9.5 लाख छोटे विक्रेताओं को हर उस

राज्य में भौतिक कार्यालय स्थापित किए बिना राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच मिल सकेगी जहां उनका माल रखा जाता है। साथ ही, इससे प्रतिस्पर्धी ई-कॉमर्स कारोबारी मॉडलों में अधिक कर समानता भी आएगी। जीएसटी परिषद वास्तविक खरीदारों के इनपुट टैक्स क्रेडिट की रखा करने के प्रस्ताव पर भी विचार कर सकती है, जिनके पास बैंड विल हैं, भले ही किसी आपूर्ति शृंखला के पिछले विक्रेता ने कर भुगतान में चूक की हो। ऐसे मामलों में चसूली की कार्यवाही खरीदार को बजाय चूक करने वाले विक्रेता के खिलाफ की जाएगी। यह प्रस्ताव जीएसटी मुकदमों और कारोबारी अनिश्चितता के एक बड़े कारण को दूर कर सकता है, विशेषकर उन कंपनियों के लिए जो छोटे और नए विक्रेताओं से खरीदारी करती हैं। मुकदमों और प्रशासनिक बोझ को कम करने के लिए जीएसटी काउंसिल 10,000 रुपये से कम की कर मांग वाले मामलों में जीएसटी नोटिस जारी करने पर रोक लगाने के प्रस्ताव पर विचार कर सकती है। प्रस्ताव के अनुसार ऐसे मामले संस्था के तिहाज से कुल मामलों का लगभग 20 प्रतिशत हैं, लेकिन इनमें कर की राशि बेहद कम होती है। यह सीमा लघित मामलों पर भी लागू हो सकती है, चाहे वे निर्धारण के स्तर पर हो या अपील के चरण में। इसी तरह 10,000 रुपये से अधिक

की मांग वाले मामलों में औपचारिक नोटिस जारी करने से पहले कर अधिकारियों को करदाता को एक सूचना भेजनी होगी और जवाब देने का अवसर देना होगा। जीएसटी परिषद कर मांग उठाने और उस पर निर्णय लेने के लिए साझा मानकों पर भी विचार कर सकती है, जिसमें नोटिस तैयार करने और तामील करने, सामान्य कम भुगतान से धोखाधड़ी को अलग करने, सुनवाई करने और तर्कसंगत आदेश जारी करने के विस्तृत दिशानिर्देश शामिल हैं। प्रस्ताव के तहत जब कोई करदाता मुकदमा लड़ने के बजाय विवाद निपटाने का विकल्प चुनता है, तो भुगतान की गई राशि को जुर्माने के बजाय प्रभार कहा जाएगा। जीएसटी पंजीकरण प्रक्रिया को भी नए सिरे से तैयार किया जा रहा है ताकि आवेदन पहली बार में ही सही तरीके से पूरे हो सकें, प्रस्तावित प्रणाली प्रत्येक चरण में मार्गदर्शन देगी, आवेदकों को केवल वही खंड दिखाएगी जो उनके लिए प्रासंगिक हैं और अपलोड करने के लिए आवश्यक दस्तावेजों की उपयुक्त सूची उपलब्ध कराएगी। कई राज्यों में पंजीकरण के लिए आवेदन करने वाले कारोबारी उन्हें एक साथ पूरा कर सकेंगे। यह प्रणाली कारोबार के स्थान के आधार पर संबंधित कर कार्यालय का निर्धारण भी करेगी।

'पुरुषन' के सेट पर चोटिल हुए एक्टर विशाल, साउथ इंडियन आर्टिस्ट्स एसोसिएशन की बैठक में नहीं हो पाएंगे शामिल

हैदराबाद: सुंदर सी. के डायरेक्शन में बन रही अगली फिल्म 'पुरुषन' के लिए एक जबरदस्त एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान एक्टर विशाल को पीठ पर चोट लग गई। इस तमिल फिल्म में वह तगमना भाटिया के साथ काम कर रहे हैं। एक्टर ने बताया कि गोवा में सेट पर लगी चोट की वजह से उन्हें काम से ब्रेक लेना पड़ रहा है। चोट की वजह से वह साउथ इंडियन आर्टिस्ट्स एसोसिएशन की आने वाली जनरल बॉडी मीटिंग में शामिल नहीं हो पाएंगे, लेकिन उन्होंने अपने ठीक होने और काम पर लौटने के लिए लोगों के सपोर्ट और शुभकामनाओं का शुक्रिया अदा किया।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, विशाल ने बताया कि उन्हें यह चोट सुंदर सी. के निर्देशन में बन रही फिल्म 'पुरुषन' के एक मुश्किल एक्शन सीन की शूटिंग के दौरान लगी। विशाल ने कहा, "सुंदर सी. के निर्देशन में बन रही मेरी अगली फिल्म 'पुरुषन' के क्लाइमैक्स की शूटिंग गोवा में हो रही थी। एक जबरदस्त फाइट सीन के दौरान एक अनचाहा हादसा हो गया और मेरी पीठ में चोट लग गई। घटना के तुरंत बाद एक्टर की मेडिकल जांच की गई और उन्हें अपनी रेगुलर एक्टिविटीज पर लौटने से पहले पूरी तरह आराम करने की सलाह दी गई। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों के अनुसार, पूरी तरह ठीक होने में तीन हफ्ते का आराम लगेगा।



मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, साउथ इंडियन आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (जिसे नाविगर संगम भी कहा जाता है) के जनरल सेक्रेटरी और एक्टर, 27 सितंबर को होने वाली ऑर्गेनाइजेशन की जनरल बॉडी मीटिंग में शामिल नहीं हो पाएंगे। उन्होंने कहा, "मुझे सच में अफसोस है कि मैं खुद इसमें शामिल नहीं हो पा रहा हूँ। उम्मीद है आप मेरी स्थिति समझेंगे। मैं जल्द ठीक होकर अपने रेगुलर कामों पर लौटने का इंतजार कर रहा हूँ।" उन्होंने इस जरूरी मीटिंग में शामिल न हो पाने पर अफसोस भी जताया। विशाल ने दुआओं और अपनी सेहत

के बारे में चिंता जताते हुए पूछने के लिए सभी का शुक्रिया भी अदा किया। विशाल और तगमना एक बार फिर सुंदर सी. की फिल्म 'पुरुषन' के लिए साथ आ रहे हैं। विशाल 'मीसाया मुरुकु' (2017) और 'एक्शन' जैसी हिट फिल्मों के बाद इस डायरेक्टर के साथ फिर से काम कर रहे हैं। उनकी पिछली साथ वाली फिल्म 'महा राजा' थी। विशाल की पिछली फिल्म 'मगुदम' थी, जिसे उन्होंने खुद डायरेक्ट भी किया था। इस फिल्म में उन्होंने किरवाकरन 'कृपा' और डॉन लिंगप्पा लिंगा के तौर पर डबल रोल निभाया था।

'ड्रीम गर्ल' एक्ट्रेस की स्पाइन में फ्रैक्चर, बाली से एयरलिफ्ट करके लाया जाएगा मुंबई



हैदराबाद: नुसरत भरुचा के हेल्थ से जुड़ा अपडेट सामने आया है। उनकी टीम ने बताया कि एक्ट्रेस काम और छुट्टियों के लिए बाली गई थीं, जहां एक हादसे में उनकी रीढ़ की हड्डी में

फ्रैक्चर हो गया है। एक्ट्रेस अभी अस्पताल में हैं और डॉक्टरों की निगरानी में हैं। उनकी टीम ने कंफर्म किया है कि उनकी रीढ़ की हड्डी की सर्जरी होगी। आगे के इलाज के लिए उन्हें एयर एम्बुलेंस से मुंबई वापस लाने की भी तैयारी की जा रही है। ईटीवी भारत को नुसरत भरुचा के स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी मिली है। ईटीवी भारत को बताया गया है कि नुसरत भरुचा काम और छुट्टियों के सिलसिले में बाली गई थीं, जहां दुर्भाग्यवश उनका एक हादसा हो गया और उनकी रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर हो गया। फिलहाल नुसरत बाली के एक अस्पताल में भर्ती हैं और डॉक्टरों की निगरानी में हैं। डॉक्टरों द्वारा आगे की जांच और मूल्यांकन के बाद नुसरत की रीढ़ की हड्डी की सर्जरी की जाएगी।

इस समय हमारी सबसे पहली प्राथमिकता नुसरत का स्वास्थ्य और उन्हें जरूरी चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना है। हम उन्हें एयर एम्बुलेंस के जरिए बाली से मुंबई लाने की व्यवस्था कर रहे हैं, जहां उनकी सर्जरी की जाएगी।

चोट की गंभीरता और सर्जरी को देखते हुए नुसरत को आराम और स्वस्थ होने के लिए पर्याप्त समय की आवश्यकता होगी। ऐसे में आने वाले कुछ हफ्तों के लिए उनकी पेशेवर प्रतिबद्धताएं प्रभावित होने की संभावना है। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि इस समय उनकी निजता का सम्मान करें और उन्हें अपने इलाज और स्वास्थ्य लाभ पर ध्यान केंद्रित करने के लिए आवश्यक समर्थन और स्थान दें। नुसरत के लिए चिंता और शुभकामनाएं व्यक्त करने वाले सभी लोगों के हम आभारी हैं। उचित समय पर आगे की जानकारी साझा की जाएगी। काम की बात करें तो, खबरों के अनुसार नुसरत भरुचा टाइगर श्रीफ की आने वाली फिल्म की कास्ट में शामिल हो गई हैं। यह फिल्म टाइगर श्रीफ और नुसरत भरुचा को बीच पहला ऑन-स्क्रीन सहयोग होगा। आने वाली फिल्म में परमीना रोशन, अभिषेक बनर्जी और एल्विश यादव भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। उन्हें पिछली बार 'तुंबाड' स्टार सोहन शाह के साथ कॉमेडी थ्रिलर 'उफ ये सिबापा' में देखा गया था, जो

देहरादून फिल्म फेस्टिवल में सेलिब्रिटीज का जमावड़ा, युवाओं से शेयर किये एक्सपीरियंस

देहरादून में चल रहे 11वें देहरादून इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के दूसरे दिन तुलाज यूनिवर्सिटी में सिनेमा और सितारों के नाम रहा। फिल्म और टीवी जगत के कई चर्चित कलाकारों ने विद्यार्थियों से सीधे बातचीत की और अपने फिल्मी सफर से जुड़े किस्से साझा किए। हितेन तेजवानी, गोरी प्रधान तेजवानी, मुकेश ऋषि, राजेश तैलांग, श्वेता त्रिपाठी, अर्जुन किरोज खान, राजन मोदी और दीपक पाराशर ने अलग-अलग इंटरव्यू टॉक शो में हिस्सा लिया।

वन्मत्त थ्रड थ्रैजट [र देहरादून फिल्म फेस्टिवल में हितेन तेजवानी (फोटो सोर्स: आयोजक) कलाकारों ने अपने काम और किरदारों की बातें कीं, वहीं युवाओं को यह भी बताया कि अपने पसंद के काम को आगे बढ़ाने के लिए लगातार कोशिश करते रहना कितना जरूरी है। कार्यक्रम में आगामी फिल्म 'मिसाल' का ट्रेलर भी दिखाया गया। राजीव एस. रुइया के निर्देशन में बनी यह फिल्म वास्तविक जीवन की कहानी पर आधारित है। वन्मत्त थ्रड थ्रैजट [र देहरादून फिल्म फेस्टिवल में मुकेश ऋषि (फोटो सोर्स: आयोजक) फिल्म और टीवी अभिनेता हितेन तेजवानी ने बातचीत के दौरान कहा



कि वह काम के अंतिम नतीजे को लेकर ज्यादा चिंता नहीं करते। उनके मुताबिक कलाकार का काम अपना 100 प्रतिशत देना है। आखिर में फेसला दर्शक करते हैं। क्योंकि सास भी कभी बहू थी और पवित्र रिश्ता जैसे लोकप्रिय धारावाहिकों से पहचान बनाने वाले हितेन ने फिल्म 'मिसाल' में अपने किरदार को भी अपने लिए अलग अनुभव बताया। उनकी पत्नी और अभिनेत्री गोरी प्रधान तेजवानी ने भी विद्यार्थियों से 'मिसाल' देखने की अपील की। वन्मत्त थ्रड थ्रैजट [र देहरादून फिल्म फेस्टिवल (फोटो सोर्स: आयोजक) बरिष्ठ अभिनेता मुकेश ऋषि ने देहरादून से अपने पुराने रिश्ते को याद किया। उन्होंने बताया

यह कई बार देहरादून आ चुके हैं। यहां कुछ सीरीज में भी काम कर चुके हैं। चंलीगढ़ में पढ़ाई के दौरान अपनी रॉयल एनफील्ड से देहरादून आने के दिनों को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वह उनके लिए बेहद खूबसूरत समय था। वन्मत्त थ्रड थ्रैजट [र देहरादून फिल्म फेस्टिवल में जुटे सितारे (फोटो सोर्स: आयोजक) वहीं अर्जुन किरोज खान ने 'महामारत' में अर्जुन का किरदार मिलने की कहानी सुनाकर छात्रों को चौंका दिया। उन्होंने बताया शुरुआत में उन्हें ऑडिशन से इसलिए बाहर कर दिया गया था क्योंकि रिक्रिट हिंदी में थी। उस समय वह हिंदी पढ़ नहीं पाते थे। बीआर. खोपड़ा ने उनमें

विजय देवरकोंडा के बाद चिरंजीवी ने 'देवरा' के एआई-मॉर्फ्ड वीडियो की कड़ी निंदा की है।

हैदराबाद: मेगास्टार चिरंजीवी ने 'देवरा' के गाने 'घुड़ामल्ले' में नजर आए स्टार्स जूनीयर एनटीआर और आइडली कपूर के एआई जनरेटेड आपत्तिजनक वीडियो की निंदा की है। उन्होंने एक लंबा बयान जारी किया है और इस हरकत को शर्मनाक बताया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों के सामने यह मामला उठाने की बात कही है। शनिवार, 3 अक्टूबर की आधी रात को चिरंजीवी ने इस मामले पर अपने एक्सा (पहले ट्विटर) हैंडल पर एक पोस्ट साझा किया और लिखा, मैं परेशान हो जाता हूँ जब कोई एआई का इस्तेमाल करके किसी महिला के अपमानजनक और मॉर्फ्ड (बदले हुए) वीडियो बनाता है। ऐसी हरकतें क्रूर,



शर्मनाक और पूरी तरह से अस्वीकार्य हैं। मैं इनकी कड़ी निंदा करता हूँ। यह मामला सिर्फ किसी एक व्यक्ति या एक फिल्म से जुड़ा नहीं है। आज यह किसी और के साथ हुआ है। कल यह

आपके, मेरे या हमारे किसी जानने वाले के साथ हो सकता है। हम सिर्फ इसलिए चुप नहीं रह सकते कि इसका हम पर व्यक्तिगत रूप से कोई असर नहीं पड़ा है। हममें से हर किसी की जिम्मेदारी है कि हम इस तरह के दुर्व्यवहार को खिलाफ खड़े हों। मेगास्टार ने ऐसे मामलों पर एक्शन लेने की भी बात की। उन्होंने कहा, 'जो लोग ऐसा कंटेंट बनाते हैं और जो जानबूझकर इसे फैलाते हैं, उन्हें कानून के तहत जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। इसे मजाक या मनोरंजन नहीं माना जा सकता। मैं इस मामले को तेलुगु फिल्म जगत,



हैदराबाद: साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री की कई बड़ी हस्तियों कमल हासन, फिल्ममेकर एस. एस. राजामौली शामिल ने मशहूर फिल्ममेकर सिंगीथम श्रीनिवास राव के निधन पर शोक जताया है और भारतीय सिनेमा में उनके योगदान को याद करते हुए एस.एस. राजामौली ने सिंगीथम को एक दूरदर्शी बताया जो अपने समय से आगे की सोच रखते थे। उन्होंने 'आदित्य 369', 'पुष्पक विमान' और 'मयूरी' जैसी फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि इनका आकर्षण आज भी हर पीढ़ी के लोगों के लिए नया बना हुआ है। राजामौली ने एक्स टैटल पर लिखा, 'जब हमारे पास जरूरी साधन या बजट नहीं थे, तब भी उन्होंने अपने आस-पास के लोगों से कहीं बड़े सपने देखने की हिम्मत की। उन्होंने बिना किसी डायलॉग के एक फिल्म बनाई, हमें समय की यात्रा पर ले गए, और कॉमेडी से फैंटेसी और फिर गहरे मानवीय ड्रामा की ओर ऐसे बढ़े जैसे कि इन जोनर के बीच कोई फर्क ही न हो। उन्होंने हम जैसी पूरी पीढ़ी को दिखाया कि सिनेमा में असल सीमा सिर्फ कल्पना की होती है। तेलुगु सिनेमा में कुछ अलग करने की कोशिश करने वाले हर फिल्ममेकर पर उनका कोई न कोई एहसान है, चाहे उन्हें इसका पता हो या न हो। मुझ पर तो जरूर है। सिंगीथम श्रीनिवास राव गुरु के परिवार के प्रति मेरी

गहरी संवेदनाएं ओम शांति' सिंगीथम के साथ करीबी प्रोफेशनल और पर्सनल रिश्ता रखने वाले बॉलीवुड एक्टर कमल हासन ने उनके लिए दिल को छू लेने वाली श्रद्धांजलि लिखी। फिल्ममेकर के युवा जोश और अपने आस-पास के लोगों पर उनके असर को याद करते हुए उन्होंने कहा कि वह उन दोस्तों और शिष्यों में से एक थे जिन्होंने उनके साथ सफर तय किया था। कमल हासन ने अपने पोस्ट में लिखा है, 'सिंगीथम गुरु ने अपनी शर्तों पर जिंदगी जी, वे हमेशा युवा बने रहे, और उसी युवा जोश के साथ दुनिया से पिदा हुए। हमेशा युवा बने रहने का वह गुण आसानी से दूसरों में नहीं आता। फिर भी, मैं उन दोस्तों और शिष्यों में से हूँ जो उनके साथ चले, और उसी गुण को अपनाने की उम्मीद रखते थे।' उन्होंने फिल्ममेकर के निधन पर शोक जताते हुए आगे लिखा है, 'कम उम्र में मौत कोई दुखद घटना नहीं है। यह शानदार भी हो सकती है। सिंगीथम श्रीनिवास राव इसका एक बेहतरीन उदाहरण हैं। जब से मैं उन्हें जानता हूँ, तब से मैं उनकी तारीफ करता आया हूँ। अब मेरी भी यही इच्छा है कि मैं उनकी तरह जीवन जीऊँ।' महेश बाबू ने भी सिंगीथम के निधन पर शोक जताया है। एक्स टैटल पर पोस्ट साझा करते हुए महेश बाबू ने लिखा है, 'भारतीय सिनेमा के एक दिग्गज अब हमारे बीच नहीं रहे। सिंगीथम श्रीनिवास राव गुरु हर मायने में एक लेजेंड थे। वे असाधारण

कल्पनाशीलता, साहस और प्रतिभा वाले फिल्ममेकर थे। भारतीय सिनेमा हमेशा उनका ऋणी रहेगा। सर, आपकी आत्मा को शांति मिले। उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। 'संवेदना व्यक्त करने वालों में बैकटेश दग्गुबाती का भी नाम शामिल है। उन्होंने फिल्ममेकर सिंगीथम श्रीनिवास राव के निधन पर दुख प्रकट करते हुए लिखा है, 'सिंगीथम श्रीनिवास राव गुरु के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। बहुत कम फिल्ममेकरों ने सिनेमा को उस उत्सुकता, मौलिकता और चंचलता के साथ अपनाया है, जो उनके काम की पहचान थी। ये एक ऐसे लेजेंड फिल्ममेकर थे जिन्होंने सिनेमा के जादू और संभावनाओं पर कभी भरोसा करना नहीं छोड़ा। यह सचमुच तेलुगु सिनेमा के एक असाधारण अध्याय का अंत है। उनके परिवार, दोस्तों और उन सभी लोगों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। जिन्हें उन्हें जानने और उनके साथ काम करने का सौभाग्य मिला, सिंगीथम गुरु, आपकी आत्मा को शांति मिले। आपने हमें जो फिल्में दी हैं, उनके जरिए आपको हमेशा याद किया जाएगा।' नागार्जुन ने एक्स टैटल पर सिंगीथम श्रीनिवास राव का एक तस्वीर शेयर करते हुए शोक जताया है। उन्होंने फिल्ममेकर को याद करते हुए लिखा है, 'प्यारे सिंगीथम श्रीनिवास राव गुरु, आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे।' नेचुरल स्टार नानी ने सिंगीथम का एक वॉयस नोट एक्स टैटल पर शेयर